राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 41 | जौनपुर मंगलवार, 23 सितम्बर 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

तिहाड़ जेल से अफजल गुरु और मकबूल भट्ट की कब्रें हटाने की मांग

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट में एक याचिका दायर कर मांग की गई है कि तिहाड़ जेल में मौजूद आतंकियों अफजल गुरु और मकबूल भट्ट के कब्रों को हटाया जाए. याचिका विश्व वैदिक सनातन संघ नामक संस्था ने दायर किया है. याचिका में मांग की गई है कि तिहाड़ जेल में बनी अफजल गुरु और मकबूल भट्ट की कब्रे हटाई जाएं. याचिका में कहा गया है कि जेल परिसर में इन कब्रों का मौजूद होना और उनका बनाए रखना अवैध और असंवैधानिक है. याचिका में कहा गया है कि इन कब्रों के होने से तिहाड़ जेल कथित तौर पर कट्टरपंथी तीर्थ स्थल बन गया है. याचिका में कहा गया है कि यह दिल्ली प्रिजन रुल्स के प्रावधानों के खिलाफ है. दिल्ली प्रिजन रुल्स के मुताबिक फांसी की सजा पाए कैदियों के शवों का निपटारा इस प्रकार से करना है कि किसी भी तरह से आतंकवाद का महिमामंडन हो और जेल में अनुशासन बना रहे. तिहाड़ जेल में कुछ लोग इन कट्टरपंथी आतंकियों की कब्रों की इबादत करने के लिए एकत्र होते हैं. याचिका में मांग की गई है कि इन कब्रों को स्थानांतरित किया जाए और अगर किसी वजह से इन कब्रों को जेल से हटाना संभव न हो तो उनकी अस्थियों को किसी गुप्त स्थान पर स्थानांतरित कर दिया जाए. इसका उद्देश्य सिर्फ शवों का स्थानांतरण नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि इन कब्रों के जरिये आतंकवाद का महिमामंडन न हो और जेल परिसर का दुरुपयोग नहीं हो. बता दें कि अफजल गुरु को 2001 में संसद पर हुए हमलों के मामले में फरवरी 2013 में फांसी दी गई थी, जबकि मकबूल भट्ट को भारत विरोधी आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के मामले में फरवरी 1984 में फांसी दी गई थी. मकबूल भट्ट जेकेएलएफ का सह–संस्थापक था।

गाजियाबाद में व्यक्ति ने अपने बच्चों के सामने पत्नी का गला रेता

गाजियाबाद, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में एक व्यक्ति ने अपने बच्चों के सामने पत्नी का गला रेतकर हत्या कर दी। व्यक्ति को अपनी पत्नी पर प्रेम–प्रसंग का शक था। आरोपी की पहचान किशन शर्मा (36) के रूप में हुई है, जो बुलंदशहर का रहने वाला था। वह गाजियाबाद में दिहाड़ी मजदूरी करता था। आरोपी अपनी पत्नी चंचल (32) और अपने 2 बच्चों (6 और 7 साल) के साथ दादरी में एक कमरे के किराए के मकान में रहता था। रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस ने बताया कि किशन को उसकी पत्नी पर शक था कि वह किसी अन्य व्यक्ति के साथ संबंध ा है। दोनों के बीच इसी बात को लेकर विवाद होता था। शनिवार को भी दोनों के बीच विवाद हुआ, जिसके बाद रविवार को सुबह 5 बजे किशन ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी। आरोपी ने अपने बच्चों के सामने चंचल का गला रेत दिया, जिसे देखकर उसके बच्चे सदमे में हैं।

हर जरूरतमंद को दिलाएं कल्याणकारी योजनाओं का लाभ : सीएम योगी

गोरखपुर, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शारदीय नवरात्र की प्रतिपदा पर शक्ति की उपासना से पहले जनसेवा की। उन्होंने गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन का आयोजन कर लोगों से मुलाकात की। उनकी समस्याएं सुनीं और प्रभावी निस्तारण के लिए अधिकारियों को जरूरी दिशानिर्देश दिए। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर जरूरतमंद व्यक्ति को शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। सोमवार को गोरखनाथ मंदिर परिसर स्थित महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक सीएम योगी खुद पहुंचे और एक एक करके सबकी समस्याओं को सुनते हुए आश्वस्त किया हर समस्या का समयबद्ध, पारदर्शी व संतुष्टिपरक निस्तारण किया जाएगा। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने करीब 250 लोगों की समस्याएं सुनीं। इसमें बड़ी संख्या महिलाओं की रही। इस दौरान एक महिला ने राशन कार्ड न होने की समस्या बताई। इस पर मुख्यमंत्री ने तुरंत अधिकारियों को निर्देशित किया कि महिला की समस्या को संवेदनशीलता से देखें। राशन कार्ड की व्यवस्था करने के साथ पात्रता के अनुसार पेंशन योजना का भी लाभ दिलाएं। जमीन कब्जा करने की शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे मामलों में कड़ी कानूनी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने गरीबों की जमीन पर कब्जा न होने देने के सख्त निर्देश दिए। साथ ही कहा कि राजस्व व पुलिस से संबंधित मामलों में प्रभावी कार्रवाई हो। सीएम योगी ने कहा कि अधिकारी जन कल्याण के कार्यों को सदैव प्राथमिकता पर रखें और हर पीड़ित की समस्या का त्वरित निस्तारण करना सुनिश्चित करें। इलाज में आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे लोगों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भरोसा दिलाया कि पैसे के अभाव में किसी इलाज नहीं रुकने पाएगा।

पीएम मोदी ने नवरात्रि की दी शुभकामनाएं, बोले – इस बार खास अवसर पर बचत उत्सव जुड़ रहा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को देशवासियों को नवरात्रि की शुभकामनाएं दीं और नागरिकों में नई शक्ति और विश्वास की कामना की. सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए पीएम मोदी ने लिखा कि आप सभी को शारदीय नवरात्रि की अनंत शुभकामनाएं. भक्ति, साहस, संयम और संकल्प से परिपूर्ण यह पावन पर्व सभी के जीवन में नई शक्ति और नया विश्वास लेकर आए. जय माता दी. बता दें, शारदीय नवरात्रि एक जीवंत और पवित्र हिंदू त्योहार है जो नौ रातों तक चलता है और देवी दुर्गा की दिव्य स्त्री शक्ति का उत्सव मनाता है. आश्विन मास में मनाया जाने वाला यह त्योहार उत्साहपूर्ण पूजा, विस्तृत अनुष्ठानों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों से युक्त होता है. चूंकि प्रत्येक दिन देवी के एक अलग रूप को समर्पित है, जो शक्ति, करुणा और

ज्ञान के विभिन्न पहलुओं का प्रतीक है, इसलिए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सोमवार मां शैलपुत्री को समर्पित है. उन्होंने लिखा कि आज नवरात्रि में मां शैलपुत्री की पूजा और अनुष्ठान का विशेष दिन है. मेरी कामना है कि माता के स्नेह और आशीर्वाद से सभी का जीवन सौभाग्य और उत्तम स्वास्थ्य से परिपूर्ण हो. नौ दिनों के दौरान, भक्त उपवास रखते हैं, भक्ति गीत गाते हैं और गरबा और डांडिया जैसे पारंपरिक नृत्योंमेंभाग लेते हैं जिससे एक आनंदमय वातावरण बनता है. इसके आगे उन्होंने लिखा कि नवरात्रि विशुद्ध भक्ति का पर्व है. बहुत से लोगों ने इस भक्ति को संगीत के माध्यम से व्यक्त किया है. पंडित जसराज जी द्वारा रचित एक ऐसा ही भावपूर्ण गायन आपके साथ साझा कर रहा हूं पीएम मोदी ने लिखा कि इस बार नवरात्रि का यह शुभ अवसर बहुत विशेष है. जीएसटी बचत उत्सव के साथ–साथ स्वदेशी के मंत्र को इस दौरान एक नई ऊर्जा मिलने वाली है.।

जीएसटी की संशोधित दरें नवरात्रि से लागू - सीतारमण

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की नई दरें आज से लागू हो गईं। नवरात्रि के पहले दिन से लागू इन दरों में मुख्य रूप से अब पांच फीसदी और 18 फीसदी की दो दो श्रेणी हैं। लग्जरी और विलासितापूर्ण वाली वस्तुओं पर अलग से 40 फीसदी कर लगेगा। सिगरेट, तंबाकू और अन्य संबंधित वस्तुओं को छोड़कर नई कर दरें आज से प्रभावी हो गईं। इससे हर आयु वर्ग और हर समुदाय के लोगों को बड़ी राहत मिली है। रसोई में इस्तेमाल होने वाले सामान से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स, दवाइयां और उपकरणों और वाहनों समेत करीब 400 वस्तुएं सस्ती हो गई हैं। रोजमर्रा की जरूरतों का सामान (एफएमसीजी) बनाने वाली प्रमुख कंपनियों ने जीएसटी कटौती का लाभ उपभोक्ताओं को देने के लिए अपने उत्पादों की कीमतों में कटौती की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मे स्वदेशी वस्तुओं को

बढ़ावा देने की पुरजोर वकालत की है। उन्होंने इस अवसर की पूर्व संध्या पर पांच बजे देश के नाम संबोधन में कहा कि अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार भारत की वृद्धि गाथा को गति देंगे। कारोबारी सुगमता को बढ़ाएंगे और अधिक निवेशकों को आकर्षित करेंगे। पिछले एक वर्ष में जीएसटी और आयकर में छूट के कारण देशवासियों को लगभग 2.5 लाख करोड़ रुपये की बचत हुई। इससे बाजार में उपभोक्ता विश्वास और मांग में इजाफा हुआ है। विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध देश में इससे पहले जीएसटी के चार स्लैब– पांच फीसदी, 12 फीसदी, 18 फीसदी और 28 फीसदी लागू थे। कुछ महंगी चीजों पर अलग से सेस लगता था। सरकार ने 12 फीसदी वाले 99 फीसदी सामान को 5 फीसदी में और 28 फीसदी वाले 90 फीसदी आइटम को 18 फीसदी में शिफ्ट कर दिया है। इससे आम लोगों को हर महीने थोड़ी राहत मिलेगी। आज साबुन, पाउडर, कॉफी, डायपर, बिस्कुट, घी और तेल जैसी दैनिक जरूरत की वस्तुएं सस्ती हो गईं। पनीर, मक्खन, नमकीन, जैम, कैच–अप, सूखे मेवे, कॉफी और आइसक्रीम जैसी चीजों पर अब कम टैक्स लगेगा।

चुनाव आयोग वोट चोरी पर जानकारी नहीं दे रहा : राहुल गांधी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर कर्नाटक सीआईडी द्वारा राज्य में कथित वोट चोरी के संबंध में मांगी गई जानकारी न देने का आरोप लगाया है। शुक्रवार को अपनी मां सोनिया गांधी के साथ वायनाड पहुँचे राहुल ने यहाँ संवाददाताओं से कहा कि कर्नाटक सीआईडी ने वोट चोरी में इस्तेमाल किए गए नंबरों की जानकारी माँगते हुए चुनाव आयोग को कई पत्र भेजे हैं, लेकिन चुनाव आयोग जानकारी नहीं दे रहा है। ज्ञानेश कुमार मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) हैं और वह पुलिस द्वारा मांगी गई जानकारी नहीं दे रहे हैं। उन्होंने कहा, सीईसी पर इससे बड़ा कोई अभियोग नहीं हो सकता। पुलिस जानकारी माँग रही है, और वह जानकारी नहीं दे रहे हैं। यह मेरा बयान नहीं है। यह एक तथ्य है। यह स्पष्ट रूप से मौजूद है। राहुल ने आगे कहा कि कांग्रेस कथित श्वोट चोरीश के सबूत ऐसे तरीके से

दिखाएगी कि किसी को भी संदेह नहीं रहेगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह किया और चुनाव जीता। जैसा कि मैंने अपनी दो प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा है, हम एक हाइड्रोजन बम का खुलासा करने जा रहे हैं, जो स्थिति की वास्तविकता को पूरी तरह से तहस–नहस कर देगा। हम जो कह रहे हैं उसके हमारे पास खुले और ठोस सबूत हैं। हम बिना सबूत के कुछ नहीं कह रहे हैं। मैं अपना काम करूँगा और उसे पूरा करूँगा, उन्होंने आगे कहा। राहुल ने शुक्रवार को भी अपने वोट चोरी के आरोपों को दोहराया था और चुनाव आयोग पर निशाना साधते हुए उसे एक चुनावी चौकीदार बताया था जो जागता रहा, चोरी देखता रहा और चोरों को संरक्षण देता रहा।

'ड्रोन दीदी' बनकर कृषि क्षेत्र में नयी पहचान बना रही महिलाएं : राज्यपाल

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने रविवार को कहा कि राज्य की महिलाएं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू की गयी पहल के तहत ड्रोन दीदी बनकर कृषि क्षेत्र में नयी पहचान बना रही हैं। राज्यपाल ने सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के 18वें दीक्षांत समारोह को

सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने कृषि क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए ड्रोन दीदी पहल की शुरुआत की है और आज महिलाएं 'ड्रोन दीदी' बनकर कृषि क्षेत्र में नयी पहचान बना रही हैं। उन्होने कहा, "हर जगह महिलाओं की भागीदारी जरूरी है। सरकार लगातार महिलाओं को स्वस्थ्य, सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए कार्य कर रही है।" इस अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 26 पदक व स्नातक, स्नातकोत्तर, पीएचडी में छात्र–छात्राओं को कुल 583 डिग्रियां प्रदान की गईं। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गये गांव के प्राथमिक विद्यालय की शिक्षिकाओं को पुस्तकें भेंट कीं। राज्यपाल ने डिग्री प्राप्त छात्र–छात्राओ से आह्वान किया, "आप अपने ज्ञान का सदुपयोग देश हित में करेंगे तो इस देश को विकसित होने से कोई नहीं रोक सकता।

जीएसटी सुधार से लोगों में आत्मविश्वास बढ़ेगा : अमित शाह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि जीएसटी सुधारों की अगली पीढ़ी प्रधानमंत्री मोदी की प्रतिबद्धता का प्रमाण है क्योंकि नई कर प्रणाली पूरे देश में लागू हो गई है। इस संबंध में, अमित शाह ने एक्स वेबसाइट पर पोस्ट किया, उन्होंने कहा कि नए कर सुधार भारत के विकास को गति देंगे और इसे एक समृद्ध देश बनाएंगे। यह गरीबों, युवाओं, किसानों और महिलाओं की सेवा के लिए प्रधानमंत्री मोदी की दृढ़ प्रतिबद्धता का प्रमाण है। मोदी सरकार मध्यम वर्ग को अनेक अवसर प्रदान कर रही है और जीएसटी सुधारों की अगली पीढ़ी के माध्यम से उनकी बचत में वृद्धि जारी रहेगी। दैनिक आवश्यक वस्तुओं, स्वास्थ्य सेवा उत्पादों, इलेक्ट्रॉनिक्स और

शैक्षिक वस्तुओं पर जीएसटी दरों में कमी से उनकी प्रयोज्य आय बढ़ेगी और उन्हें अधिक बचत करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। नवरात्रि के पावन अवसर पर, जीएसटी सुधारों की अगली पीढ़ी देश की माताओं और बहनों के लिए मोदी सरकार का उपहार है। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा जनता से किया गया वादा आज से पूरे देश में लागू हो गया है। 390 से अधिक वस्तुओं पर कर कम कर दिए गए हैं। कांग्रेस जीएसटी सुधार खाद्य एवं घरेलू उपकरण, ऑटोमोबाइल, कृषि, खिलौने, खेल एवं हस्तशिल्प, शिक्षा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा, और बीमा जैसे क्षेत्रों में व्यापक बदलाव ला रहे हैं। जीएसटी में अभूतपूर्व राहत लोगों के जीवन में खुशियाँ लाएगी और उनकी बचत भी बढ़ाएगी। विभिन्न डेयरी उत्पादों पर जीएसटी शून्य होगा। साबुन, टूथपेस्ट, हेयर ऑयल, शैम्पू जैसी रोजमर्रा की वस्तुओं पर अभूतपूर्व छूट मिलेगी। जीवन बीमा, स्वास्थ्य बीमा, वरिष्ठ नागरिक पॉलिसियों, 33 जीवन रक्षक दवाओं, नैदानिक ध्च्उपकरणों, ऑक्सीजन, सर्जिकल उपकरणों, चिकित्सा, दंत चिकित्सा और पशु चिकित्सा उपकरणों से लेकर न्यूनतम जीएसटी तक, जीएसटी सुधार देश के लोगों की बचत में ऐतिहासिक वृद्धि लाएगा। कृषि उपकरणों और उर्वरकों पर जीएसटी में कमी से किसान उत्साहित हैं। लोगों को वाहनों की कीमतों को लेकर भी ज्यादा चिंता करने की जरूरत नहीं है। अमित शाह ने कहा कि इस जीएसटी सुधार से आत्मविश्वास बढ़ेगा।

हमें पीओके पर हमला करके कब्जा करने की जरूरत नहीं पड़ेगी : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मोरक्को में भारतीय समुदाय को बताया कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में भारत में विलय के नारे लग रहे हैं और विश्वास व्यक्त किया कि पाकिस्तान द्वारा अवैध रूप से कब्जाए गए इस क्षेत्र का भारत में विलय बिना किसी आक्रामक कदम के हो जाएगा। इस खबर को सबसे पहले प्रकाशित करने वाली एएनआई के अनुसार, मोरक्को में भारतीय समुदाय के साथ बातचीत के दौरान सिंह ने कहा, पीओके अपने आप हमारा होगा। पीओके में मांगें उठने लगी हैं, आपने नारे सुने होंगे। रक्षा मंत्री ने कहा कि मैं पाँच साल पहले कश्मीर घाटी में एक कार्यक्रम में भारतीय सेना को संबोधित कर रहा था। मैंने तब कहा था कि हमें

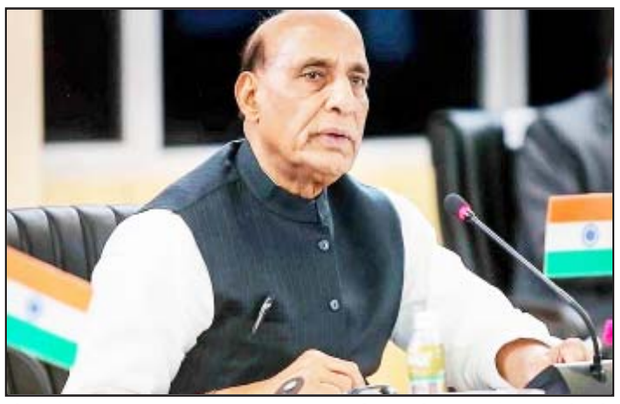

पीओके पर हमला करके कब्जा करने की जरूरत नहीं पड़ेगी, वह वैसे भी हमारा है पीओके खुद कहेगा, मैं भी भारत हूँ। वह दिन जरूर आएगा। इससे पहले, अगस्त में, पीओके के एक प्रमुख शहर रावलकोट में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए थे, जहाँ हजारों नागरिक पाकिस्तान से आजादी की माँग को लेकर सड़कों पर उतर आए थे। मंत्री की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब आरोप लगाया गया है कि केंद्र सरकार ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पीओके पर कब्जा करने का ष्मौका गँवा दिया। विभिन्न विपक्षी दलों के कई नेताओं ने ऑपरेशन सिंदूर में कई पाकिस्तानी जेट विमानों को मार गिराए जाने के बाद भारत के पास बढ़त होने के बावजूद श्युद्धविरामश पर सहमत होने के लिए केंद्र सरकार की आलोचना की और दावा किया कि पाकिस्तान के कब्जे वाले क्षेत्र पर कब्जा करने का एक मौका था। रक्षा मंत्री मोरक्को की दो दिवसीय यात्रा पर हैं, जहाँ वे बेरेचिड में टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स के व्हील्ड आर्मर्ड प्लेटफॉर्म नए विनिर्माण संयंत्र का उद्घाटन करेंगे, जिससे यह अफ्रीका में पहला भारतीय रक्षा विनिर्माण संयंत्र बन जाएगा। यह किसी भारतीय रक्षा मंत्री की मोरक्को की पहली यात्रा है। मंत्री ने मोरक्को में नए संयंत्र को एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया जो भारत के रक्षा उद्योग की बढ़ती वैश्विक उपस्थिति को दर्शाता है।

स्मारकों के नवीनीकरण में प्रगति, चार का जीर्णोद्धार पूरा : मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को कहा कि ऐतिहासिक स्मारकों का संरक्षण और सौंदर्यीकरण दिल्ली सरकार की एक प्रमुख जिम्मेदारी है। उन्होंने घोषणा की कि 14 धरोहर स्थलों का जीर्णोद्धार कार्य चल रहा है, जिनमें से चार स्मारकों का पूर्ण जीर्णोद्धार हो चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा, गोल गुंबद, कुली खां मकबरा, बड़ा लाओ का गुंबद और घुड़साल, ये चार धरोहर स्मारक हैं जिनका जीर्णोद्धार किया गया है। दिल्ली सरकार धरोहरों की सुरक्षा करेगी और व्यापक विकास सुनिश्चित करेगी। नशे के दुष्प्रभाव का पाठ वह महरौली पुरातत्व पार्क में मोहम्मद कुली खां मकबरे के पास आयोजित श्विकसित भारत कला शिविर – सेवा पखवाड़ाश में बोल रही थीं। यह कार्यक्रम कला, संस्कृति एवं भाषा विभाग और साहित्य कला परिषद द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था। गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान चार पुनर्स्थापित स्मारकों का औपचारिक रूप से लोकार्पण किया गया। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री के विकास भी और विरासत भी के दृष्टिकोण

को दर्शाता है, और इस बात पर जोर दिया कि विकास के साथ–साथ ऐतिहासिक विरासत का संरक्षण भी उतना ही महत्वपूर्ण है। राजनाथ सिंह एक निजी याद साझा करते हुए, गुप्ता ने बताया कि इस परिसर को देखकर उन्हें बचपन में कुतुब मीनार, लाल किला और दिल्ली चिड़ियाघर में पिकनिक मनाने की याद आ गई। उन्होंने दोहराया कि स्मारकों का संरक्षण एक आवश्यक सरकारी कार्य है,।

संपादकीय

शंका या संदेह पालना बेमानी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि भारत निर्वाचन आयोग संवैधानिक प्राधिकार होने के नाते बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर–स्द्ढक्र) के दौरान कानून का पालन कर रहा है। शीर्ष अदालत ने कहा कि उसका यही मानना है, और इसी के साथ हम आगाह करना चाहते हैं कि इस प्रक्रिया में किसी भी अवैधता की स्थिति दिखी तो समूची प्रक्रिया को रद्द कर दिया जाएगा। इसी के साथ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने बिहार एसआईआर की वैधता पर अंतिम दलीलें सुनने के लिए 7 अक्टूबर की तारीख तय की और इस कवायद पर श्टुकड़ों में राय्य देने से इंकार कर दिया। यह भी स्पष्ट किया कि शबिहार एसआईआर पर हमारा फैसला पूरे भारत में एसआईआर के लिए मान्य होगाय्य और यह भी स्पष्ट किया कि शीर्ष अदालत भारत निर्वाचन आयोग को देश भर में मतदाता सूची में संशोधन के लिए इसी तरह की प्रक्रिया शुरू करने से रोक नहीं सकती। अदालत ने भी साफ कर दिया कि 30 सितम्बर को अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन से मामले के फैसले पर कोई असर नहीं पड़ेगा। दरअसल, याचिकाकर्ताओं में से एक ने दलील दी थी कि उसे लगता है कि निर्वाचन आयोग यह प्रक्रिया समूचे देश में अपनाए जाने की तैयारी कर रहा है। वैसे इस बाबत कोई शंका या संदेह पालना बेमानी है। मतदाता सूची में संशोधन करने के लिए निर्वाचन आयोग कवायद करता रहता है, जो जरूरी भी है। मतदाता सूची अद्यतन होनी ही चाहिए। कुछ राजनीतिक दलों का आरोप है कि संशोधन की आड़ में बड़े स्तर पर मतदाताओं के नाम काटे जा रहे हैं। इसे लेकर उनने वोट अधिकार यात्रा भी निकाली और इस मुद्दे पर बिहार में माहौल को गरमाने की कोशिश कर रहे हैं। बेशक, चुनाव से ऐन पहले इस प्रकार की कवायद संदेह पैदा करती है। इस कवायद की टाइमिंग को लेकर सवाल उठे हैं और पहली नजर में सही दिखलाई पड़ते हैं। फिर, जिस प्रकार आयोग ने मतदाता की वैधता के लिए जिन जरूरी दस्तावेज को मानने की बात कही उनमें पहले तो मतदाता पहचान पत्र को वैधता का आधार मानने से ही इंकार कर दिया था। शीर्ष अदालत के निर्देश के बाद ही वह इस दस्तावेज को मताधिकार की वैधता के रूप में पहचान पर राजी हुआ। एसआईआर प्रक्रिया को लेकर तमाम राजनीति भले हो रही है, लेकिन यकीन के साथ कहा जा सकता है कि पूरी निगहबानी में इसे अंजाम तक पहुंचाया जाएगा।

रूस की चेतावनी नई वैश्विक कूटनीतिक व्यवस्था का संकेत

उमेश

रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने दावा किया कि भारत और चीन पर अमेरिका की टैरिफ धमकी बेअसर हो रही है और वाशिंगटन में दोनों प्राचीन सभ्यताओं के साथ ऐसी भाषा के प्रयोग की निरर्थकता को लेकर बहस चल पड़ी है। भारत और चीन के खिलाफ जारी अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफ युद्ध के खिलाफ रूस का खुलकर उतरना वैश्विक राजनीतिक परिदृश्य में बदलाव का उदाहरण है। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव का दोनों देशों के पक्ष में खुलकर उतरना यह साबित करता है कि तीनों ही देश कम से कम आर्थिक विषयों के मामले में साथ आ रहे हैं। रूस का खुलकर भारत और चीन का साथ देना और अमेरिका का विरोध करना, वैश्विक दादागिरी वाली अमेरिकी कूटनीति को सीधी चुनौती कही जा सकती है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हालांकि भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनके जन्मदिन 17 सितंबर के दिन बधाई देकर एक तरह से दोनों देशों के रिश्तों में टैरिफ युद्ध के चलते आई तल्खी को कम करने की कोशिश जरूर की है। लेकिन जमीनी स्तर पर अमेरिकी रूख में कोई बदलाव नहीं आने की वजह से वास्तविक हालात में कोई बदलाव नहीं दिख रहा है। ऐसे मौके पर सर्गेई लावरोव का बयान एक तरह से अमेरिका को चेतावनी हो सकता है। भारत से अमेरिका को होने वाले आयात पर पचास प्रतिशत का टैरिफ लगाने के लिए अमेरिका ने रूस से भारत द्वारा कच्चा तेल खरीदने को कारण बताया है। अमेरिका का कहना है कि भारत ऐसा करके रूस को यूक्रेन युद्ध में फंडिंग कर रहा है। हालांकि भारत इससे इनकार करता रहा है। भारत वैसे भी रूस से तेल खरीदने वाले देशों में निचले पायदान पर है। हां, भारत की रूस से नजदीकी रही है और वह बनी हुई है। विशेषकर रक्षा क्षेत्र में रूस से भारत की नजदीकी दशकों से बनी हुई है। अमेरिका इससे चिढ़ता रहा है। हालांकि पिछले करीब दो दशकों से इसमें कमी आई है। इसकी वजह भारत का विशाल मध्य वर्गीय बाजार रहा है। जिसके जरिए अमेरिकी कंपनियां मोटा मुनाफा कमा रही हैं। लेकिन ट्रंप काल में आए टैरिफ बम के चलते इसमें गिरावट आ रही है। सर्गेई लावरोव ने अमेरिका को एक तरह से चेतावनी दी, अपने ही देश के मुख्य टीवी चौनल 1टीवी के कार्यक्रम 'द ग्रेट गेम' में उन्होंने कहा कि चीन और भारत प्राचीन सभ्यताएं हैं। उनसे इस तरह से बात करना कि या तो आप वह बंद कर दें जो हम नहीं चाहते या हम आप पर टैरिफ थोप देंगे, काम नहीं कर पाया। सर्गेई

ने इस कार्यक्रम में एक तरह चुटकी भी ली। उन्होंने अमेरिका के चीन और भारत से जारी रिश्तों को लेकर कहा कि चीन और भारत से जिस तरह का अमेरिकी संपर्क जारी है, वह दिखाता है कि अमेरिकी पक्ष वैश्विक कूटनीति में आ रहे बदलावों को समझ चुका है। लावरोव ने अमेरिका के प्रति भारत और चीन की प्रतिक्रिया की ओर इशारा करते हुए कहा कि अमेरिकी कदम से दोनों देशों को थोड़ी आर्थिक परेशानी जरूर हुई, क्योंकि दोनों ही देशों यानी चीन और भारत को नए बाजारों और ऊर्जा आपूर्ति के नए स्रोतों की तलाश करने और ज्यादा कीमत चुकाने पर मजबूर होना पड़ा। लेकिन इससे कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण ये है कि इस अमेरिकी रवैये का नैतिक और राजनीतिक विरोधा भी हो रहा है। लावरोव का यह कहना भी कि रूस पर नए प्रतिबंधों से कोई खतरा नहीं है, बहुत मानीखेज है। इसका मतलब यह है कि रूस कम से कम इस वक्त अमेरिकी दबवा में नहीं आने जा रहा। रूस पर वैसे ही बाइडन प्रशासन के जमाने से कई तरह की पाबंदियां लगी हुई हैं, फिर भी रूस की सेहत और कूटनीति पर विशेष असर नहीं पड़ा है। ध्यान देने की बात यह है कि रूस, चीन और भारत की कुल जनसंख्या करीब तीन अरब है। जो वैश्विक जनसंख्या का करीब चालीस फीसद है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में तीनों देशों की अर्थव्यवस्था की सामूहिक भागीदारी करीब 32 प्रतिशत है। जाहिर है कि दुनिया में इनकी हिस्सेदारी अहम है। ऐसे में लावरोव का बयान एक तरह से अमेरिका को चुनौती ही है कि टैरिफ युद्ध खत्म हो या न हो, तीनों देश कम से कम अपनी आर्थिक चुनौतियों के सामने झुकने नहीं जा रहे।

राजस्व अधिशेष में उत्तर प्रदेश देश में नंबर–1

नीरज

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक ने पहली बार राज्यों की वित्तीय स्थिति पर एक दशक भर का अध्ययन प्रस्तुत किया है। रिपोर्ट में चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है कि देश के 16 राज्य राजस्व अधिशेष में हैं। इसमें सबसे आगे उत्तर प्रदेश है, जिसने वित्त वर्ष 2022–23 में 37,000 करोड़ रुपये का अधिशेष दर्ज किया। कभी ष्बीमारू राज्योंष में गिने जाने वाले उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश अब इस श्रेणी में शामिल हैं। उत्तर प्रदेश के बाद गुजरात (19,865 करोड़), ओडिशा (19,456 करोड़), झारखंड (13,564 करोड़), कर्नाटक (13,496 करोड़), छत्तीसगढ़ (8,592 करोड़), तेलंगाना (5,944 करोड़), उत्तराखंड (5,310 करोड़), मध्य प्रदेश (4,091 करोड़) और गोवा (2,399 करोड़) जैसे राज्य अधिशेष की सूची में हैं। वहीं अरुणाचल, मणिपुर, मिजोरम, नागालैंड, त्रिपुरा और सिक्किम जैसे पूर्वोत्तर के राज्य भी इस सूची का हिस्सा बने। हम आपको यह भी बता दें कि इन 16 राज्यों में से 10 में भाजपा की सरकार है। सीएजी की रिपोर्ट के अनुसार, पश्चिम बंगाल, केरल, हिमाचल और पंजाब जैसे राज्य अब केंद्र से मिलने वाले त्मअमदनम क्मपिबपज ळतंदजे पर टिके हैं। वर्ष 2023 में केंद्र ने कुल 1.72 लाख करोड़ रुपये अनुदान दिए, जिसमें से 86,201 करोड़ सिर्फ राजस्व घाटा पाटने के लिए थे। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि हरियाणा, तेलंगाना, महाराष्ट्र, गुजरात और कर्नाटक जैसे राज्यों ने स्वयं का कर एवं गैर–कर राजस्व बढ़ाकर वित्तीय आत्मनिर्भरता दिखाई है। वहीं पूर्वोत्तर के राज्य और बिहार–हिमाचल जैसे प्रदेश अब भी केंद्र के कर हिस्से और अनुदानों पर बहुत अधिक निर्भर हैं। दूसरी ओर, कभी ष्बीमारू राज्योंष के नाम से पहचाने जाने वाले उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश आज राजस्व अधिशेष की सूची में शीर्ष पर हैं तो यह देश की अर्थव्यवस्था के लिए बहुत अच्छा समाचार है। देखा जाये तो नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की ताजा रिपोर्ट केवल आँकड़ों का लेखा–जोखा नहीं है, बल्कि यह भारत के बदलते आर्थिक भूगोल की कहानी भी कहती है। उत्तर प्रदेश ने 37,000 करोड़ रुपये के अधिशेष के साथ सभी राज्यों को पीछे छोड़ दिया है। दशकों तक पिछड़ेपन, प्रशासनिक अक्षमता और गरीबी के प्रतीक रहे इस राज्य का अब अधिशेष की श्रेणी में आना एक ऐतिहासिक मोड़ है। इसका मतलब है कि प्रदेश की आय उसके खर्च से अधिक हो रही है। आधारभूत संरचना में निवेश, औद्योगिक गलियारों का विकास और कर संग्रहण क्षमता में सुधार इस परिवर्तन के प्रमुख कारण माने जा सकते हैं। उत्तर प्रदेश के पुराने हालात पर गौर करें तो यहां कमजोर बुनियादी ढाँचा, प्रशासनिक ढिलाई और निवेश के प्रति अविश्वास ने दशकों तक इसकी प्रगति को थामे रखा। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में तस्वीर बदलती दिख रही है। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (ब्।ळ) की रिपोर्ट केवल आँकड़ों की जीत नहीं, बल्कि उस सतत परिश्रम का परिणाम है जो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में किया गया है। योगी सरकार ने वित्तीय अनुशासन, पारदर्शिता और आधारभूत ढाँचे में निवेश को प्राथमिकता दी। कानून–व्यवस्था की मजबूती से निवेशकों का भरोसा लौटा, औद्योगिक गलियारों, एक्सप्रेस–वे और एयरपोर्ट जैसे प्रोजेक्ट्स ने राज्य को नई पहचान दी। यही कारण है कि आज उत्तर प्रदेश केवल अधिशेष का प्रतीक नहीं है, बल्कि वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनॉमी बनने के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। हालाँकि यह लक्ष्य कठिन है। लेकिन जिस गति से राज्य ने ष्बीमारूष की छवि को तोड़कर राजस्व अधिशेष का मुकाम हासिल किया है, उसी गति से यदि निवेश, शिक्षा और स्वास्थ्य में सुधार जारी रहे, तो यह सपना असंभव नहीं है। उत्तर प्रदेश की नई कहानी यह बताती है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति और प्रशासनिक प्रतिबद्धता से किसी भी राज्य की किस्मत बदली जा सकती है। वहीं दूसरी ओर, गुजरात, ओडिशा, झारखंड, कर्नाटक और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों का अधिशेष यह दिखाता है कि आर्थिक संसाधनों का उपयोग बेहतर तरीके से किया जा रहा है। विशेषकर झारखंड और ओडिशा जैसे खनिज संपन्न राज्यों ने संसाधनों को राजस्व में बदलने की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। पूर्वोत्तर के छोटे–छोटे राज्य भी अधिशेष की सूची में हैं, जो यह संकेत देता है कि केंद्र से प्राप्त सहायता और स्थानीय कर संग्रहण मिलकर उन्हें संतुलन में ला रहे हैं। इसके विपरीत, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, राजस्थान, पंजाब और पश्चिम बंगाल जैसे बड़े और आर्थिक रूप से महत्त्वपूर्ण राज्य गहरे घाटे में हैं। आंध्र प्रदेश का घाटा अकेले 43,000 करोड़ से अधिक है। पंजाब का संकट और गंभीर है क्योंकि वहाँ कर्ज और सब्सिडी आधारित अर्थव्यवस्था ने वित्तीय अनुशासन को लगभग ध्वस्त कर दिया है। पश्चिम बंगाल और केरल जैसे राज्यों का केंद्र की मदद पर अत्यधिक निर्भर होना वित्तीय आत्मनिर्भरता की कमी को दर्शाता है। हम आपको यह भी बता दें कि रिपोर्ट का एक बड़ा निष्कर्ष यह है कि हरियाणा, तेलंगाना और महाराष्ट्र जैसे राज्यों ने अपने कर और गैर–कर स्रोतों से 70–80% तक राजस्व जुटाने में सफलता पाई है। यह मॉडल दिखाता है कि यदि राज्यों की कर संरचना सुदृढ़ हो और प्रशासनिक क्षमता मजबूत हो, तो वे केंद्र पर निर्भर हुए बिना अपनी वित्तीय स्थिति सुधार सकते हैं। इसके उलट, बिहार, हिमाचल प्रदेश और अधिकांश पूर्वोत्तर राज्य अपनी कुल आय का 40% से भी कम स्वयं जुटा पाते हैं। शेष हिस्सा केंद्र सरकार के कर हिस्से और अनुदानों पर टिका होता है। यह असमानता भारत की संघीय ढाँचे की एक बड़ी चुनौती है। ध्यान देने वाली बात यह भी है कि अधिशेष राज्यों में से अधिकांश में भाजपा की सरकारें हैं। यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या यह राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिणाम है या केवल संयोग। वहीं, जिन राज्यों में विपक्षी दलों की सरकारें हैं, वहाँ घाटे की स्थिति अधिक गहरी दिखाई देती है। इस तथ्य का राजनीतिक विमर्श में इस्तेमाल होना तय है। आगे की राह देखें तो घाटे वाले राज्यों को खर्च पर नियंत्रण और आय में वृद्धि के उपाय करने होंगे। इसके अलावा, संपन्न राज्यों की तरह कर प्रशासन को डिजिटल और पारदर्शी बनाना आवश्यक है। साथ ही वित्तीय असमानता दूर करने के लिए केंद्र को केवल अनुदान नहीं,

बल्कि राजस्व सृजन की क्षमता बढ़ाने में राज्यों की मदद करनी होगी। इसके अलावा, लोकलुभावन योजनाओं और सब्सिडी पर नियंत्रण रखकर शिक्षा, स्वास्थ्य और अवसंरचना पर खर्च को प्राथमिकता देनी होगी। कुल मिलाकर देखें तो सीएजी की रिपोर्ट यह बताती है कि भारत की आर्थिक तस्वीर अब केवल महानगरों या पारंपरिक संपन्न राज्यों तक सीमित नहीं है। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश जैसे कभी पिछड़े कहे जाने वाले प्रदेश आज अधिशेष की सूची में शामिल हैं, जबकि पंजाब, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु जैसे कभी ष्आगेष माने जाने वाले राज्य वित्तीय संकट से जूझ रहे हैं। बहरहाल, यह बदलाव इस बात का प्रमाण है कि अच्छी नीतियाँ, कर क्षमता में सुधार और वित्तीय अनुशासन किसी भी राज्य की किस्मत बदल सकते हैं। लेकिन साथ ही यह भी चेतावनी है कि यदि खर्च और कर्ज के जाल में फँसकर योजनाएँ चलाई जाएँगी तो समृद्ध दिखने वाले राज्य भी जल्दी ही घाटे में जा सकते हैं। भारत के संघीय ढाँचे के लिए यह रिपोर्ट एक दर्पण हैकृ जो दिखाती है कि आर्थिक आत्मनिर्भरता ही राज्यों की स्थिरता और प्रगति की कुंजी है कुल मिलाकर देखें तो सीएजी की रिपोर्ट यह बताती है कि भारत की आर्थिक तस्वीर अब केवल महानगरों या पारंपरिक संपन्न राज्यों तक सीमित नहीं है। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश जैसे कभी पिछड़ेष्कहे जाने वाले प्रदेश आज अधिशेष की सूची में शामिल हैं, जबकि पंजाब, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु जैसे कभी ष्आगेष माने जाने वाले राज्य वित्तीय संकट से जूझ रहे हैं। बहरहाल, यह बदलाव इस बात का प्रमाण है कि अच्छी नीतियाँ, कर क्षमता में सुधार और वित्तीय अनुशासन किसी भी राज्य की किस्मत बदल सकते हैं।

विकास और विश्वास के नये धरातल पर खड़ा बस्तर

आभा मिश्रा

किसी भी राज्य में औद्योगिक विस्तार और निवेश को आकर्षित करने के लिए सबसे महत्त्वपूर्ण है राज्य में कानून और व्यवस्था की स्थिति और जनता में सरकार के प्रति भरोसा। छत्तीसगढ़ अपने जन्म के समय से ही नक्सलवादी हिंसा से जूझता रहा है। खासतौर पर बस्तर का इलाका तो छत्तीसगढ़ बनने से पहले भी नक्सलवादियों का गढ़ रहा है। विकास की कमी और आम जनता पर नक्सलियों की पकड़ ने इस क्षेत्र को हमेशा पीछे रखा, लेकिन अब स्थितियां बदल रही हैं। आदिवासी बहुल इस प्रदेश में विष्णु देव साय के प्रदेश के पहले आदिवासी मुख्यमंत्री बनने का असर अब साफ दिखने लगा है। राज्य पुलिस ने केंद्रीय बलों के साथ मिलकर नक्सलियों पर काफी हद तक न केवल नकेल कसी है बल्कि आदिवासी होने के नाते मुख्यमंत्री साय में राज्य के लोगों का भरोसा भी बढ़ रहा है। यही वजह है कि बस्तर अब भय और पिछड़ेपन से निकलकर विकास और विश्वास के नये धरातल पर खड़ा है और शांति की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। कभी उपेक्षा और अभाव की पहचान से जूझने वाला यह क्षेत्र अब निवेश, अवसर और रोजगार का नया केंद्र बन रहा है। मुख्यमंत्री के प्रति प्रदेश के लोगों में बढ़ता भरोसा और केंद्र सरकार के नक्सल विरोधी अभियानों से न केवल इस क्षेत्र में उद्योग और शिक्षा से लेकर स्वास्थ्य, कृषि और पर्यटन तक हर क्षेत्र में बदलाव दिखने लगा है, बल्कि उम्मीद और विश्वास की नई किरण जगी है। पिछले 20 महीनों में मुख्यमंत्री बस्तर के 100 से अधिक इलाकों का दौरा कर चुके हैं। इन दौरों ने जनता में उनकी विसनीयता बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। क्षेत्र में नक्सलवाद पर नियंत्रण ने विकास कार्य की राह सुगम की है। इसी का नतीजा है कि बस्तर संभाग के जगदलपुर में पहली बार 350 बेड का मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल एवं मेडिकल कॉलेज स्थापित किया जा रहा है। इस पर 550 करोड़ रुपये की लागत आएगी और 200 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। इसी क्रम में जगदलपुर में नवभारत इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज द्वारा 85 करोड़ रुपये के निवेश से 200 बेड का मल्टी सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल और 33 करोड़ रुपये के निवेश से एक अन्य मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल बनाया जा रहा है। यहां पर 7. 65 करोड़ रुपये के निवेश से नमन क्लब एवं वेलनेस सेंटर भी शुरू होने जा रहा है। इन परियोजनाओं से बस्तर में आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं एवं वेलनेस का विस्तार होगा और सैकड़ों युवाओं को रोजगार मिलेगा। यहां की जनता भी अब हिंसा से ऊब कर इस नये बदलाव को सहर्ष स्वीकार कर रही है। छत्तीसगढ़ कृषि प्रधान राज्य है और इसे श्धान का कटोराय्य कहा जाता है, लेकिन यहां खाद्य प्रसंस्करण उद्योग का विस्तार जरूरत के अनुसार नहीं हो पाया। मुख्यमंत्री ने इस कमी की भरपाई करने की योजना बनाई और इसी के तहत बीजापुर, नारायणपुर, कांकेर, बस्तर और कोण्डागांव जिलों में आधुनिक राइस मिल और फूड प्रोसेसिंग यूनिट्स की स्थापना की जा रही है। रोजगार के अवसर पैदा करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ औद्योगिक विकास नीति 2024 के अंतर्गत 1000 करोड़ रुपये से अधिक निवेश करने वाली या 1000 से अधिक रोजगार सृजित करने वाली परियोजनाओं के लिए विशेष प्रोत्साहन का प्रावधान किया गया है। इस नीति में औषधि निर्माण, कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण, वस्त्र उद्योग, आईटी एवं डिजिटल तकनीक, उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स, एयरोस्पेस व डिफेंस और ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स जैसे क्षेत्रों को प्राथमिकता दी गई है। पर्यटन को भी उद्योग का दर्जा प्रदान किया गया है। इसके तहत बस्तर में होटल, इको–टूरिज्म, वेलनेस सेंटर, एडवेंचर स्पोर्ट्स और खेल सुविधाओं जैसी परियोजनाओं पर 45 प्रतिशत तक सब्सिडी उपलब्ध कराई जाएगी। नई औद्योगिक नीति लागू होने के बाद अब तक प्रदेश सरकार के पास लगभग 6 लाख 65 हजार करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव आ चुके हैं। बस्तर में न केवल नक्सलियों की गतिविधियों को कमजोर किया गया है, बल्कि विकास का माहौल भी तेजी से बन रहा है। पिछले 20 महीनों में 65 नये सुरक्षा कैम्प स्थापित किए गए हैं, जिनसे दुर्गम इलाकों में सुरक्षा का दायरा बढ़ा है और ग्रामीणों में आत्मविश्वास की भावना मजबूत हुई है। आत्मसमर्पण कर चुके नक्सलियों के लिए घोषित नई पुनर्वास नीति ने उन्हें समाज की मुख्यधारा में शामिल होने का बेहतर अवसर प्रदान किया है। नई नीति में वित्तीय सहायता बढ़ाई गई है और आवास व भूमि का स्पष्ट प्रावधान किया गया है।

विचारों को मूर्त रूप प्रदान करना : मोदी का अंदाज

हसमुख

नरेन्द्र मोदी की यात्रा के मूल में एक विशेष आदतरू अनवरत अवलोकन निहित है। वह प्रत्येक मुलाकात को विचारों के स्रोत के रूप में देखते हैं, चाहे वह सामान्य बातचीत हो या विदेश यात्रा। लेकिन इन्हें

नवीनता या अकादमिक विचार मानने वाले अनेक लोगों के विपरीत, मोदी इनमें से प्रत्येक विचार को संभावित समस्या के मूल कारण के आधार के तौर पर परखते हैं और फिर उसे स्थानीय आवश्यकताओं के अनुकूल समाधान में ढालते हैं। जिज्ञासा, विश्लेषण और प्रभावी क्रियान्वयन के इसी मिश्रण ने उन्हें जमीनी स्तर के आयोजक से एक वैश्विक राजनेता के रूप में स्थापित किया है। वास्तव में, मोदी के लिए सीखना कभी उम्र का मोहताज नहीं रहा। बचपन से ही, उनमें सहज जिज्ञासा थी और वे विविध कहानियों और अनुभवों को आत्मसात करते और तलाशते थे। जीवन भर उनका यही विश्वास रहा है कि जिज्ञासा हर स्तर पर को सीखने को बढ़ावा देती है। यहाँ तक कि उनकी जिम्मेदारियाँ जब क्षेत्रीय नेतृत्व से राष्ट्रीय पद तक बढ़ गई, इसके बावजूद, ऐसी नियमित मुलाकाते उनके मन में विचारों को जन्म देती रहीं और छोटी–छोटी बातें सीख में बदल गईं, जो वर्षों बाद, ऐन कार्रवाई करने का समय आने पर ही फिर से उजागर हुईं। किशोरावस्था में, ज्ञान की इसी ललक ने उनकी यात्रा का आगाज किया। पहले–पहल आध्यात्मिक साधक के रूप में और बाद में एक समर्पित संघ प्रचारक के रूप में उन्होंने समूचे भारत की यात्रा की और ऐसे अनुभव बटोरे, जिन्होंने दुनिया को देखने–समझने की उनकी दृष्टि को आकार दिया। हर बातचीत उनके लिए कुछ नया सीखने का अवसर थी। लेकिन जो बात उन्हें दूसरों से जुदा करती है, वह यह है कि यह सूझबूझ केवल सैद्धांतिक नहीं रहीय अवसर पाते ही, उन्होंने इसे क्रियान्वित किया। हालाँकि, समस्या–समाधान की यह कला अक्सर अप्रत्याशित तरीकों से सामने आती रही। उदाहरण के लिए, काशी विश्वनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के दौरान, उन्होंने देखा कि कर्मचारी संगमरमर के ठंडे फर्श पर नंगे पाँव काम कर रहे थे और उन्होंने तुरंत उन कर्मचारियों के लिए जूट की चप्पलों का प्रबंध कर दिया, यह एक आसान उपाय था, जो सर्दी और आने वाली गर्मी, दोनों के लिए कारगर रहा। एक अन्य घटना में, गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में जापान की अपनी यात्रा के बाद, उन्होंने स्पर्शनीय मार्गचिन्ह (उभरी हुई सतह) की अवधारणा शुरु की। दृष्टिबाधित लोगों के लाभ के लिए उन्होंने इसे अहमदाबाद में लागू करने पर जोर दिया। ये संकेत उनकी एक अनवरत आदत को जाहिर करते हैंरू अनदेखा कर दी गई बारीकियों को दैनिक जीवन को आसान बनाने वाले व्यावहारिक सुधारों में बदलना। उनके कुछ विचार बीते दशकों की याद दिलाते हैं। 1993 में लॉस एंजिल्स की अपनी यात्रा के दौरान, उन्होंने फाइनेंशियल हाई–राइजिज के समूहों का अध्ययन कियाय वर्षों बाद, उन्हीं विचारों ने गुजरात में गिफ्ट सिटी को भारत की आर्थिक महत्वाकांक्षाओं को केंद्रीकृत करने के केंद्र के रूप में प्रेरित किया। इसी जिज्ञासा ने अहमदाबाद के साबरमती रिवरफ्रंट को आकार दिया, जहाँ उन्होंने अधिकारियों से दुनिया भर की सर्वोत्तम प्रथाओं का अध्ययन करवाया, लेकिन यह भी सुनिश्चित किया कि अंतिम डिजाइन स्थानीय आवश्यकताओं पर आधारित रहे। उनके अनुसार, ग्लोबल मॉडल तभी मायने रखते हैं, जब उन्हें पहले स्थानीय समुदायों की सेवा के लिए अनुकूलित किया जा सके। इस पद्धति में, कोई भी अवलोकन कभी भी सराहना किए योग्य अलग–थलग विचार नहीं होता, बल्कि यह एक रिसोर्स बैंक की तरह होता है, जो परिस्थितियों के अनुकूल होने पर लौटकर आता है, और संग्रहीत विचारों को विशाल परियोजनाओं में परिवर्तित कर देता है। 2002 में, कच्छ में आए विनाशकारी भूकंप के बाद मोदी ने आपदा से निपटने में इस पद्धति को अपनाया। उन्होंने नियमित नौकरशाही मॉडलों को नकारते हुए अपनी टीम को जापान के कोबे भूकंप प्रबंधन का अध्ययन करने और उसके योजनाकारों से संपर्क करने का निर्देश दिया। लेकिन उनका विचार स्पष्ट थारू मॉडलों को पूरी तरह से आयातित नहीं किया जाएगा। इसके बजाय, इन जानकारियों को गुजरात के लिए तत्काल आवश्यकता वाले समाधानों जैसे भूकंपरोधी आवास, सुरक्षित निर्माण पद्धतियाँ और सामुदायिक भागीदारी– में ढाला गया। भारत में यह पुनर्वास के लिए एक मानक बन गया, जिसने दिखाया कि कैसे एक संकट अंतर्राष्ट्रीय ज्ञान को भारतीय पहल के साथ मिलाने का परीक्षण स्थल बन सकता है। प्रधानमंत्री के रूप में, उन्होंने इसी क्रम को जारी रखा, दक्षिण कोरिया में नदी–सफाई परियोजनाओं का दौरा इसी इरादे से किया, कि उनसे प्राप्त सबक को नमामि गंगे में लागू किया जा सके। भारत के भीतर से उभरने वाले विचारों के प्रति भी उन्होंने उतना ही उत्साह दिखाया है। इसका उल्लेखनीय उदाहरण नैनो यूरिया है, जो एक युवा वैज्ञानिक द्वारा प्रधानमंत्री को दिए गए सुझाव से उपजा नवाचार है। मोदी ने तुरंत इसकी क्षमता को पहचाना और इसके विकास पर जोर दिया। आज, इसकी एक छोटी बोतल पारंपरिक उर्वरक की एक बोरी की जगह ले सकती है, जिससे लागत में कमी आती है और किसानों का बोझ कम होता है। यही खुलापन सरकारी कार्यक्रमों को भी आकार देता हैरू जब वित्तीय समावेशन योजना के नामकरण के लिए जनता की प्रतिक्रिया मांगी गई, तो नागरिकों ने ही जन धन शब्द गढ़ा। वैज्ञानिकों और आम लोगों, दोनों के नवाचारों को प्रोत्साहित करते हुए मोदी ने दिखाया कि कैसे घरेलू विचारों को राष्ट्रीय समाधानों में बदला जा सकता है। ये कहानियाँ मिलकर मोदी के जीवन के एक अनवरत सूत्र को उजागर करती हैं। मंदिर में मामूली प्रतीत होने वाली असुविधा को दूर करने से लेकर, एक आधुनिक शहर की रूपरेखा तैयार करने, किसी तबाह क्षेत्र के पुनर्निर्माण या किसी क्रांतिकारी उर्वरक को अपनाने तक, उनकी प्रक्रिया एक समान ही रही हैरू स्थिति का ध्यानपूर्वक अवलोकन करना, लोगों की वास्तविक आवश्यकताओं की पहचान करना और उसे पूरा करने के लिए निर्णायक रूप से कार्य करना। आ नो भद्रारू क्रतवो यन्तु विश्वतरू (प्रत्येक दिशा से कल्याणकारी विचार हमारी ओर आएँ) के भारतीय दर्शन का पालन करते हुए, मोदी हर यात्रा और संवाद से सक्रिय रूप से अंतर्दृष्टि प्राप्त करते हैं और भारत को आगे बढ़ाने के लिए उनका उपयोग करने का दृढ़तापूर्वक प्रयास करते हैं।

नयी तालीम तो छात्र को जीवन सिखाती है - रमेश भइया

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

विनोबा सेवा आश्रम द्वारा संचालित केंद्र जे पी सेवा ट्रस्ट में छोटे बच्चों के लिए संस्कार केंद्र और बड़े बच्चों के लिए शिक्षण केंद्र संचालित है। वहां पर बच्चों को स्कूल शिक्षण के बाद शाम 4 से 6 बजे तक जीवन से ताल्लुक रखने का शिक्षण और योग कराया जाता है। समाप्ति सायंकालीन प्रार्थना से होती है।हर बच्चे को गीता के स्थित प्रज्ञ लक्षण कंठस्थ हैं। मंगलवार को उक्त विचार उन्हीं बच्चों के लिए रमेश भइया द्वारा लिखित और बृजेंद्र अवस्थी द्वारा संबोधित करते हुए बताए गए। जिसमें वर्तमान शिक्षा पद्धति और नई तालीम की पद्धति में अंतर को बताया गया है। भारत में स्वराज्य प्राप्ति के दस वर्ष पहले अर्थात 1937 में बापू ने नयी तालीम

की कल्पना देश के सामने रखी थी। स्वराज्य के माने मात्र विदेशी सत्ता हट जाए इतना ही बापू नहीं कहते थे,बल्कि एक नया समाज बने,जिसमें शोषण न हो,जिसमें केंद्रित शासन न हो , जिसमें हर एक के विकास के लिए पूरी सहूलियत होऋ स्वराज्य यानी ऐसा राज्य जिसमें हर एक को महसूस हो कि यह राज्य मेरा है।इसी को वे रामऋ राज्य भी कहते थे।भारत देश के लिए नयी तालीम गांधी जी की अंतिम और सर्वोत्तम देन है। शिक्षण और ज्ञान का मूलभूत विचार अनादि होता है लेकिन बापू ने इसे नयी कहा क्योंकि बीच बीच में विचार मंद पड़ जाते हैं और नए जमाने के साथ उसको नए रूप में प्रकाशित करना होता है,तो वह नई चीज बन जाती है।बाबा विनोबा तो इसे नित्य नयी तालीम कहते थे , इसका मतलब जो कल थी,वह आज नहीं है,और जो आज है, वह कल नहीं रहेगी, जैसे नदी का पानी। नदी बहती रहती है,प्रति क्षण उसका पानी नया होता रहता है। इसी प्रकार अनुभव के आधार पर जो तालीम नित्य बदलती रहती वह है नित्य नयी तालीम। बाबा का कहना था कि लोग तालीम का एक ढांचा बनाते हैं, जहां ढांचा बना, वहां तालीम बिगड़ी। आज की समाज रचना कायम रखकर नयी तालीम नहीं दी जा सकती, आज की समाजऋ रचना के साथ नयी तालीम का पूरा विरोध है। आज शिक्षकों को तनख्वाह कम वेशी और डिग्री के आधार पर दी जाती है,यह सब इसमें नहीं चलेगा। बाबा कहते थे कि नयी तालीम में भी अगर शिक्षकों की तनख्वाह में फर्क रहा ,तो राज्य में कैसे बदल होगा? यह जो योग्यता के।अनुसार दर्जे बने हुए हैं। नयी तालीम इसे खत्म करेगी। नयी तालीम में शरीर परिश्रम की नैतिक और आर्थिक योग्यता समान मानी जाएगी।

गाजीपुर में बंद मकान की चोरी का आरोपी गिरफ्तार, स्कोडा कार बरामद

लखनऊ, (संवाददाता)। पूर्वी जोन के थाना गाजीपुर पुलिस ने बंद मकान में चोरी करने वाले आरोपी उमर युसुफ पुत्र सैय्यद युसुफ अयूब को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त स्कोडा कार भी बरामद की गई।जानकारी के अनुसार, दिनांक 11 जून 2025 को मनोज कुमार वर्मा निवासी इंदिरानगर ने अपने बंद घर में चोरी होने की सूचना दी थी। घर लौटने पर उन्होंने पाया कि घर का दरवाजा तोड़कर नगदी और हार चोरी हो गए थे। मामले की जांच शुरू की गई और सीसीटीवी फुटेज खंगाले जाने पर चार अज्ञात चोरों को सफेद स्कोडा कार में चोरी करते हुए देखा गया।सीसीटीवी फुटेज और गहन जांच के बाद कार का मालिक उमर युसुफ पकड़ा गया। पूछताछ में उमर युसुफ ने बताया कि उसने कार चलाई थी और उसके तीन साथीकृसतीश कश्यप, आशीष कश्यप और नदीमकृसाथी होकर चोरी में शामिल थे। उसने स्वीकार किया कि उसके साथियों ने उसे 25,000 रुपये दिए थे, जो उसने अपने निजी कार्यों में खर्च कर दिए।पुलिस ने बताया कि उक्त तीनों आरोपी पहले से ही विभूतिखंड थाना में दर्ज मामलों में जेल में हैं। उमर युसुफ के खिलाफ अब मामले में कानूनी कार्रवाई की जा रही है और अन्य थाना एवं जनपद से उसकी अपराधिक गतिविधियों की जानकारी जुटाई जा रही है।गिरफ्तार उमर युसुफ 27 वर्षीय है और हुसैनगंज का निवासी है। उसका आपराधिक इतिहास भी दर्ज है। पुलिस ने बरामद स्कोडा कार को जब्त कर लिया है।इस कार्रवाई में थाना गाजीपुर के उ0नि0 आनन्द मिश्रा, हे0का0 बालकुश यादव और हे0का0 अशोक कुमार शामिल रहे। पुलिस ने बताया कि ऐसी घटनाओं को रोकने और इलाके में सुरक्षा बनाए रखने के लिए निरंतर निगरानी जारी रहेगी।

संक्षिप्त खबरें

मानव प्रगति में विज्ञान एवं तकनीक की भूमिका महत्वपूर्ण: प्रो राजाराम यादव

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर स्थित प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) भौतिकीय विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान में दीक्षोत्सव के अंतर्गत 21वीं सदी में विज्ञान एवं तकनीकीरू संभावनाएं एवं चुनौतिय विषय पर मंगलवार को व्याख्यान आयोजित किया गया।इस अवसर पर व्याख्यान के मुख्य वक्ता पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो राजाराम यादव ने कहा कि 21वीं सदी विज्ञान और तकनीक की सदी है । आज शिक्षा, संचार, चिकित्सा, कृषि, उद्योग, परिवहन, रक्षा, ऊर्जा के क्षेत्र में वैज्ञानिक प्रगति ने मानव जीवन को बेहतर बनाया है।

प्रो यादव ने कहा कि बेरोजगारी, असमानता, साइबर खतरे और पर्यावरणीय संकट जैसी चुनौतियाँ भी सामने हैं। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विवेकपूर्ण उपयोग की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि हम विज्ञान और प्रौद्योगिकी का उपयोग किस प्रकार करते है। संतुलित और जिम्मेदार दृष्टिकोण अपनाकर ही हम विज्ञान की शक्ति को सच्चे अर्थों में मानव कल्याण का साधन बना सकते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो वंदना सिंह ने कहा इक्कीसवीं सदी में विज्ञान और प्रौद्योगिकी मानवता को अभूतपूर्व अवसर प्रदान कर रहे हैं। प्रो सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में वैज्ञानिक प्रगति के बिना मानव विकास की कल्पना संभव नहीं है। प्रो सिंह ने विद्यार्थियों को विज्ञान के मूलभूत सिद्धांतों को गहराई से समझ कर उसमें काम करने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि संस्थान विद्यार्थियों के संपूर्ण शैक्षणिक और व्यक्तित्व विकास के लिए कटिबद्ध है। विद्यार्थियों के अंदर विज्ञान की समझ बढ़े इसके लिए संस्थान लगातार व्याख्यान एवं प्रशिक्षण आयोजित करता रहता है। इस अवसर पर विज्ञान संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. राजेश शर्मा ने 21वीं सदी में विज्ञान व तकनीक की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की। प्रो. शर्मा ने स्वास्थ्य के क्षेत्र विज्ञान के आधुनिक शोध एवं प्रयोगों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नितेश जायसवाल तथा प्रो. देवराज सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर प्रो संतोष कुमार, प्रो. मिथिलेश सिंह, प्रो प्रदीप कुमार, प्रो. राजकुमार, प्रो. गिरिधर मिश्र , सहित बड़ी संख्या में शिक्षकगण एवं सभी नवप्रवेशित छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

रूस में भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों का प्रदर्शन

लखनऊ, (संवाददाता)। संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की पहल पर 24 सितंबर से 1 अक्टूबर तक रूस के काल्मिकिया में भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों का भव्य प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। प्रधानमंत्री कार्यालय ने जानकारी दी है कि इस महत्वपूर्ण प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य करेंगे। उपमुख्यमंत्री श्री मौर्य 23 सितंबर को भारतीय वायुसेना के विमान से रूस के लिए रवाना होंगे।उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बताया कि इस प्रदर्शनी में भगवान बुद्ध के कपिलवस्तु (पीपरहवा, उत्तर प्रदेश) से प्राप्त पवित्र अवशेषों का प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह अवशेष प्राचीन कपिलवस्तु नगरी से जुड़े हैं और पुरातात्विक दृष्टि से प्रमाणित होने के कारण वैश्विक बौद्ध समुदाय के लिए अत्यंत पूज्यनीय हैं। यह अवशेष भगवान बुद्ध के जीवन से प्रत्यक्ष जुड़ाव का प्रतीक भी हैं।श्री मौर्य ने कहा कि रूस में आयोजित यह प्रदर्शनी भारत की साफ्ट पावर और सांस्कृतिक कूटनीति का प्रभावी माध्यम बनेगी। इससे न केवल भारत की सांस्कृतिक छवि को वैश्विक स्तर पर निखार मिलेगा, बल्कि द्विपक्षीय संबंध भी मजबूत होंगे और सांस्कृतिक एवं राजनैतिक सहयोग में नई गहराई आएगी। उन्होंने यह भी बताया कि इस प्रदर्शनी से विश्व शांति, सद्भाव और भगवान बुद्ध के करुणा, शांति व अहिंसा के संदेश को वैश्विक स्तर पर प्रसारित करने में मदद मिलेगी।इससे पहले थाईलैंड और वियतनाम में भी भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों की प्रदर्शनी आयोजित की जा चुकी है, जिनकी सफलता ने भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा को बढ़ाया।उपमुख्यमंत्री ने बताया कि 25 से 28 सितंबर तक काल्मिकिया के एलिस्ता शहर में राष्ट्रीय संग्रहालय द्वारा भगवान बुद्ध के जीवन की प्रमुख घटनाओं को दर्शाने वाले कलात्मक शैलियों की कृतियों की प्रतिकृतियां प्रदर्शित की जाएंगी। इसके अलावा पिपरहवा अवशेषों पर आधारित एक लघु वृत्तचित्र भी प्रदर्शित किया जाएगा।काल्मिकिया में बौद्ध धर्म केवल धार्मिक आस्था ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और पारंपरिक जीवन का हिस्सा है। यह प्रदर्शनी वहां के बौद्ध समुदाय के लिए विशेष महत्व रखती है और भारत की सभ्यतागत विरासत को वैश्विक स्तर पर प्रस्तुत करने का अवसर भी बनेगी।

संजय सिंह ने मोदी सरकार पर जीएसटी और आर्थिक नीतियों को लेकर हमला बोला

लखनऊ, (संवाददाता)। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने रविवार को केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि 2017 में जीएसटी को ऐसे लागू किया गया मानो देश को दूसरी आजादी मिल रही हो। उन्होंने बताया कि रात 12 बजे जीएसटी लागू होने के जश्न में लता मंगेशकर का गीत बजवाया गया और जनता को खुश होने के लिए कहा गया, लेकिन हकीकत यह रही कि इसके लागू होने से करोड़ों मध्यमवर्गीय परिवारों की कमर टूट गई।संजय सिंह ने कहा कि जीएसटी के नाम पर लाखों–करोड़ों रुपए जनता की जेब से वसूले गए। नियमों में सैकड़ों बार बदलाव करके व्यापारियों और आम जनता को परेशान किया गया। पेट्रोल–डीजल पर भी भारी कर वसूली से सरकार ने खजाना भरा। अब आठ साल बाद प्रधानमंत्री जनता को जीएसटी में कमी का ढोल पीटकर नया "क्रांतिकारी परिवर्तन" देने का दावा कर रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर सुधार करना था तो पहले इतनी भारी वसूली क्यों की गई। संजय सिंह ने मांग की कि जीएसटी के नाम पर वसूले गए सारे पैसे सीधे जनता के खातों में वापस किए जाएं।सांसद ने मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों पर व्यंग्य करते हुए कहा कि स्वदेशी की बातें करते हुए मोदी जी खुद विदेशी उत्पादों का उपयोग कर रहे हैं। उन्होंने तंज कसा कि गलवान घाटी में भारतीय जवान शहीद होते हैं, लेकिन मोदी सरकार चीन से 39 लाख करोड़ रुपए का आयात करके घरेलू व्यापार को चौपट कर रही है। उन्होंने बताया कि देश के किसानों के जीवन पर डाका डालते हुए अमेरिकी कपास पर लगे 11ः आयात शुल्क को घटाकर शून्य कर दिया गया, जबकि अमेरिका भारत पर 50ः टैरिफ लागू करता है।संजय सिंह ने कहा कि मोदी जी हर बार बड़े दावे करते हैं और जनता को सपनों का झुनझुना थमाते हैं, लेकिन नतीजा हमेशा शून्य रहा। उन्होंने चेतावनी दी कि अब खोखली बातें बंद करें और आठ साल की लूट का हिसाब जनता को दें। उन्होंने स्पष्ट किया कि जीएसटी और टैक्स के नाम पर वसूले गए पैसे वापस लौटाए बिना आम आदमी मजबूत नहीं हो सकता।

संक्षिप्त खबरें

मालवीय नगर रामलीला विश्वामित्र यज्ञ का हुआ मंचन

गोण्डा। श्रीरामलीला समिति मालवीय नगर के तत्वावधान में चल रही पौराणिक रामलीला में द्वितीय दिवस में विश्वामित्र यज्ञ एवं जनकपुर निवास का मंचन किया गया। श्री नटराज रामलीला मंडल बस्ती के तत्वावधान में लीला के कलाकारों ने अपने सजीव अभिनय

से भक्त दर्शकों को विमुग्ध कर दिया। लीला का शुभारम्भ वन में विश्वामित्र के यज्ञ से हुआ जहां से मुनि राक्षसों द्वारा यज्ञ में विघ्न के बाद राजा दशरथ की अनुमति से यज्ञ की रक्षा के लिए राम लक्ष्मण को वन में लाए। दोनों भाइयों ने राक्षसों को मार कर यज्ञ सम्पन्न कराया। यज्ञ के बाद मुनि विश्वामित्र के साथ दोनों भाई वन में विभिन्न लीला करते हुए जनकपुर पहुंचे जहां राजा जनक द्वारा मुनि का स्वागत सत्कार व आवास की व्यवस्था की गई। इस अवसर पर रामलीला के आयोजक प्रबंधक अनिल सिंह धीरेन्द्र प्रताप पाण्डेय अलंकार सिंह रजत सोनी गोपेश श्रीवास्तव संजय तिवारी संजय सिंह पंकज मिश्र आदि मौजूद रहे।

बच्चों के लिए मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत एक बहुत ही रचनात्मक कार्यक्रम का आयोजन

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

मंगलवार को गुरु गोरखनाथ इंटर कॉलेज में बच्चों के लिए मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत एक बहुत ही रचनात्मक कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम के तहत बच्चों को पोक्सो एक्ट बाल एवं शोषण से बचाव प्यूबर्टी चेंज तथा मेंसुरेशन हाइजीन के बारे में विधिवत बताया गया बच्चों ने पूरे कार्यक्रम में रुचि लेते हुए जानकारी को ग्रहण किया तथा भविष्य में जानकारी प्रयोग करने का आश्वासन भी दिया कार्यक्रम में वन स्टॉप सेंटर की इंचार्ज रूबी देवी एवं एवं पल्लवी मिश्रा की उपस्थिति रही बच्चों को गुड टच और बैड टच के बारे पोस्टर के माध्यम से डिटेल में समझाया और बताया गया। बच्चियों की सुविधा का ध्यान रखते हुए उनको सैनिटरी नैपकिंस भी विद्यालय की तरफ से वितरित किए गए।कार्यक्रम का संचालन समाधान अभियान के निदेशक सौम्या द्विवेदी ने किया कार्यक्रम के सफलतापूर्वक क्रियान्वयन का पूरा श्रेय गुरु गोरखनाथ इंटर कॉलेज की डायरेक्टर अनुराधा मिश्रा जी को जाता है तथा तथा प्रिंसिपल मोहिनी मिश्रा जी ने अपना पूरा सहयोग दिया ।

अखिलेश यादव का भाजपा सरकार पर हमला : बोले प्रदेश बर्बाद, जनता परेशान

लखनऊ, (संवाददाता)।, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा ने हर क्षेत्र में जनता का भरोसा तोड़ दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि किसानों को खाद और बीज नहीं मिल रहे, अस्पतालों में दवाएं अनुपलब्ध हैं, बिजली की समस्याएं आम हैं और बिल अधिक आते हैं। नौजवानों को रोजगार नहीं मिल रहा और भ्रष्टाचार, लूट और अन्याय चरम पर हैं।रविवार को इटावा लॉयन सफारी भ्रमण के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए श्री यादव ने कहा कि प्रदेश में हर वर्ग के साथ भेदभाव हो रहा है। भाजपा सरकार ने नौ बजटों में जनता को कुछ नहीं दिया, सिर्फ झूठे वादे किए। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार जाने वाली है और समाजवादी सरकार आने पर कारोबार बढ़ेगा, नौकरियां और रोजगार उपलब्ध होंगे तथा हर वर्ग को न्याय मिलेगा।अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर किसानों के साथ अन्याय का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि खाद और बीज के लिए किसानों को लाइनें लगानी पड़ीं, धरना प्रदर्शन करना पड़ा और फिर भी डीएपी और यूरिया नहीं मिली। उन्होंने किसान भाइयों से अपील की कि वे सरकार को हटाएं जो उनकी आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर पा रही।उन्होंने भाजपा पर अपने विरोधियों, खासकर समाजवादी पार्टी नेताओं के खिलाफ झूठे मुकदमे लगाने और षड्यंत्र करने का आरोप भी लगाया। श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार उपचुनावों में धांधली कर रही है, जाति के हिसाब से पोस्टिंग और मंत्री नियुक्त कर रही है तथा चुनावों में अपने फायदे के लिए वोट पर डकैती कर रही है।अखिलेश यादव ने आर्थिक और विदेश नीति में भाजपा की विफलताओं को भी उजागर किया। उन्होंने कहा कि भाजपा की नीतियों के कारण अर्थव्यवस्था कमजोर हुई, रुपया गिरा और महंगाई बढ़ी। उन्होंने जीएसटी और टैक्स प्रणाली का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने जनता से भारी टैक्स वसूल कर मुनाफा कमाया, लेकिन जनता को राहत नहीं दी।उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में भारत के मित्र देशों की संख्या घट गई और भारतीयों को विदेश में अपमानित होना पड़ा।

फर्जी लूट की कहानी गढ़ने वाला मुनीम पकड़ा गया

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में नाका थाना क्षेत्र के पाण्डेयगंज इलाके में शनिवार की शाम पांच लाख रुपये की कथित लूट की सूचना से हड़कंप मच गया। आशीष ट्रेडर्स के मुनीम शशिभूषण तिवारी ने अपने मालिक आशीष अग्रवाल को बताया कि बदमाशों ने उस पर हमला कर उसके झोले में रखे पांच लाख रुपये लूट लिए। सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आई और जांच शुरू कर दी।नाका थाना प्रभारी श्रीकांत राय के नेतृत्व में पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले और मोबाइल नंबरों की जांच की। इसी दौरान पूछताछ में शशिभूषण तिवारी टूट गया और सच्चाई सामने आ गई। उसने कबूल किया कि उसने खुद ही स्कूटी गिराकर लूट का नाटक रचा और पांच लाख रुपये छिपा दिए। आरोपी ने पुलिस को बताया कि उस पर बैंक का कर्ज था, जिसे चुका पाने में असमर्थ था। इसी कारण उसने यह फर्जी योजना बनाई।पुलिस ने उसकी निशानदेही पर पांच लाख रुपये बरामद कर लिए और आरोपी को हिरासत में ले लिया। घटना का खुलासा होते ही व्यापारियों ने राहत की सांस ली और त्वरित कार्रवाई के लिए पुलिस की सराहना की।इस मामले का अनावरण नाका थाना प्रभारी निरीक्षक श्रीकांत राय की अगुवाई में किया गया। टीम में चौकी प्रभारी दुगावा उपनिरीक्षक राजेन्द्र सिंह, चौकी प्रभारी बसीरतगंज उपनिरीक्षक राकेश पटेल, उपनिरीक्षक सुशील कुमार और कांस्टेबल अनूप सिंह, अशोक कुमार व अंकित कुमार शामिल रहे।फिलहाल आरोपी के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा रही है।

मऊ में सेवा पखवाड़ा एवं दुर्गा मेला कार्यक्रम में मंत्री ए.के. शर्मा ने किया सहभागिता

लखनऊ, (संवाददाता)। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने जनपद मऊ भ्रमण के दौरान शीतला माता मंदिर प्रांगण में आयोजित सेवा पखवाड़ा एवं दुर्गा मेला उत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत उन्होंने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा लगाए गए स्वदेशी उत्पादों की प्रदर्शनी का अवलोकन कर की। हस्तनिर्मित उत्पादों को देखकर मंत्री शर्मा ने महिला उद्यमियों से उनके निर्माण, विपणन और बिक्री की प्रक्रिया के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि महिलाएं जब आत्मनिर्भर बनती हैं, तो पूरा परिवार और समाज आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर होता है। उन्होंने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को प्रोत्साहित करते हुए आश्वासन दिया कि सरकार उनके उत्पादों को बाजार तक पहुँचाने और आय बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

मऊ में मंत्री ए.के. शर्मा ने नेक्स्ट–जेन जीएसटी सुधारों पर की प्रेस कॉन्फ्रेंस, जनहितार्थ लाभों को किया स्पष्ट

लखनऊ, (संवाददाता)। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने मऊ स्थित मंगलम गेस्ट हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर नेक्स्ट–जेन जीएसटी सुधारों के जनहितार्थ लाभों पर विस्तार से जानकारी दी। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने मध्यम वर्ग के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बदलाव लागू किए हैं, जिससे उनके जीवन में सुगमता और आर्थिक सशक्तिकरण आएगा। उन्होंने बताया कि यह सुधार केवल कर प्रणाली में बदलाव नहीं है, बल्कि करोड़ों परिवारों के लिए सीधे बचत और राहत का अवसर है।मंत्री ने बताया कि 3 सितंबर 2025 को 56वीं जीएसटी काउंसिल की बैठक में नेक्स्ट–जेन जीएसटी सुधारों के निर्णय लिए गए, जो 2017 में जीएसटी लागू होने के बाद का सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण बदलाव है। इसमें 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत की सरल दो–दर संरचना लागू की गई है, जबकि विलासिता और लग्जरी वस्तुओं पर 40 प्रतिशत कर निध्ारित किया गया है। यह नई संरचना नवरात्रि से लागू होगी और इससे पारदर्शिता, न्यायसंगत व्यवस्था और कर पालन में आसानी सुनिश्चित होगी।मंत्री ने कहा कि पुराने चार–स्तरीय कर ढांचे को हटाकर सरल दो–दर संरचना अपनाई गई है, जिससे कानूनी जटिलताओं और भ्रम को कम किया जा सकेगा। दूध, पनीर, शैम्पू, टूथपेस्ट, साबुन, साइकिल और बच्चों के सामान जैसी दैनिक आवश्यकताओं पर अब केवल 5 प्रतिशत या शून्य कर लगेगा, जिससे आम जनता के रोजमर्रा खर्च में राहत मिलेगी। ट्रैक्टर, टायर, कीटनाशक और सिंचाई उपकरण पर कर घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया गया है, जिससे किसानों की लागत कम होगी और ग्रामीण क्षेत्र सीधे लाभान्वित होंगे।मंत्री ने बताया कि व्यक्तिगत जीवन और स्वास्थ्य बीमा पर जीएसटी पूरी तरह से हटा दी गई है, वहीं दवाइयों, ऑक्सीजन और जांच किट पर कर में कटौती की गई है ताकि इलाज सस्ता और सुगम हो। वाहन और मोटरसाइकिल पर जीएसटी दर 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दी गई है, जिससे वाहन खरीद में आसानी होगी और मांग बढ़ेगी। शिक्षा क्षेत्र में भी कॉपियों, पेंसिल, नक्शों और अन्य छात्र सामग्री पर कोई कर नहीं लगेगा।विलासिता और लग्जरी वस्तुओं जैसे तंबाकू, पान मसाला और कैसिनो पर कर दर 40 प्रतिशत निर्धारित की गई है, जबकि व्यापार में आसानी के लिए सरल रजिस्ट्रेशन, तेज रिफंड और रिस्क–आधारित कंप्लायंस को लागू किया गया है, जिससे डेडम, निर्यातक और श्रम प्रधान क्षेत्र सशक्त होंगे। तंबाकू पर सेस तब तक जारी रहेगा जब तक मुआवजे के ऋण चुकते नहीं हैं, जिससे वित्तीय स्थिरता बनी रहेगी।मंत्री ने कहा कि यह सुधार "जीवन में आसानी, व्यापार में सुविध।" के विजन को साकार करेंगे। इससे सामान्य नागरिकों पर कर का बोझ कम होगा, किसानों और व्यवसायियों को सशक्त किया जाएगा, और लग्जरी वस्तुओं पर भार बढ़ाकर समावेशी विकास सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह कदम केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक दृष्टि से भी लाभकारी है और देशभर में समृद्धि फैलाने में मदद करेगा।

मेदांता लखनऊ ने बनाया रोबोटिक सर्जरी का नया कीर्तिमान, एक साल में कीं 509 सर्जरी

लखनऊ (प्रत्यूष पाण्डेय). चिकित्सा के क्षेत्र में मेदांता लखनऊ हॉस्पिटल ने एक नया कीर्तिमान बनाया है। बीते एक साल में हॉस्पिटल ने कुल 509 रोबोटिक सर्जरी सफलतापूर्वक पूरी की हैं, जो भारत में किसी भी निजी अस्पताल द्वारा इस समय में की गई सबसे ज़्यादा रोबोटिक सर्जरी हैं। यह उपलब्धि मेदांता लखनऊ के चिकित्सा के क्षेत्र में नई तकनीक का इस्तेमाल और विशेषज्ञ डॉक्टर्स की दक्षता का प्रमाण है। इन सर्जरी में विभिन्न विभागों का योगदान उल्लेखनीय रहा है। गायनकॉलजी विभाग ने 219 सर्जरी, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल (जीआई) सर्जरी विभाग ने 137, यूरोलॉजी विभाग ने 109, कार्डियक विभाग ने 23 और अन्य विभागों ने 21 सर्जरी रोबोटिक तकनीक से कीं। इस अवसर पर मेदांता द्वारा मंगलवार को आयोजित प्रेस वार्ता में मेडिकल डायरेक्टर व डायरेक्टर यूरोलॉजी एंड किडनी ट्रांसप्लांट डॉ. राकेश कपूर, डॉ. अनीश श्रीवास्तव, डॉ. मनमीत सिंह, डायरेक्टर गायनकोलॉजी एंड ऑब्सटेट्रिक्स डॉ. नीलम विनय, डायरेक्टर जीआई सर्जरी डॉ. आनंद प्रकाश और डॉ. संदीप वर्मा, डायरेक्टर कैंसर केयर एंडोक्राइन एंड ब्रेस्ट सर्जरी डॉ. अमित अग्रवाल, और डॉ रोमा प्रध ाान, कार्डियोथोरेसिक एवं वैस्कुलर सर्जरी विभाग के डायरेक्टर डॉ. गौरंगा मजूमदार, सीनियर कंसल्टेंट लिवर ट्रांसप्लांट विवेक गुप्ता, कंसल्टेंट पीडीयाट्रिक सर्जरी एंड यूरोलॉजी डॉ. अन्वेषा चक्रवर्ती और डॉ श्यामेदंर शर्मा शामिल रहे। इस उपलब्धि पर मेदांता लखनऊ के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. राकेश कपूर ने कहा कि 509 रोबोटिक सर्जरी का यह रिकॉर्ड मेदांता की बेहतरीन व्यवस्था और इनोवेशन के लिए हमारा कमिटमेंट दिखाता है। हमारी मॉडर्न रोबोटिक तकनीक और चिकित्सकों की कुशल टीम ने मरीजों को सटीक, सुरक्षित और तेजी से रिकवर करने वाली वाली सेवाएं दी हैं। हमारा लक्ष्य है कि हर मरीज को बेहतर उपचार मिले और हम इस दिशा में निरंतर प्रयास कर रहे हैं। रोबोटिक सर्जरी से आसान हुईं मरीजों की राहें स्त्री रोगों में रोबोटिक सर्जरी की बात की जाए तो यह संख्या सबसे अधिक है। इसमें महिलाओं के गर्भाशय, अंडाशय, फैलोपियन ट्यूब आदि।

राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद जौनपुर इकाई की नई कमेटी का गठन संजय कुमार सिंह बने जिला प्रभारी

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर। राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद की जौनपुर इकाई की नई कमेटी का गठन राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र कुमार मिश्रा की सहमति से किया गया। गठन से पूर्व जिला अध्यक्ष तामीर हसन शीबू ने पूर्व कमेटी को भंग कर दिया था। नई टीम का विस्तार कर विभिन्न पदों पर जिम्मेदारी सौंपी गई है। नई कमेटी में संजय कुमार सिंह को जिला प्रभारी और तामीर हसन शीबू को पुनः जिला अध्यक्ष चुना गया। इसके अलावा इजहार हुसैन और इम्तियाज अहमद सिद्दीकी को जिला उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। जिला महासचिव पद पर मनीष श्रीवास्तव, अनवर हुसैन और राहुल गुप्ता को मनोनीत किया गया है, जबकि जिला सचिव के रूप में रवि केसरी, सुजीत कुमार वर्मा और मोहम्मद हारुन को जगह मिली है। जिला विधिक सलाहकार की जिम्मेदारी अमित तिवारी को दी गई है तथा आईटी सेल प्रभारी के रूप में मोहम्मद अल्ताफ की नियुक्ति हुई है। नई कमेटी के गठन को लेकर जिले के पत्रकारों में उत्साह का माहौल है। राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र कुमार मिश्रा ने कहा कि "पत्रकारों की सुरक्षा और सम्मान परिषद की सर्वोच्च प्राथमिकता है। हमें विश्वास है कि नई कमेटी जिले में संगठन को मजबूत करेगी और पत्रकार हितों की रक्षा के लिए सक्रिय भूमिका निभाएगी।"

संक्षिप्त खबरें

शीघ्र ही शहर में अवैध रूप से संचालित नर्सिंग होम व क्लीनिक पर स्वास्थ्य विभाग केगा शिकंजा – सीएमओ

अयोध्या। विभिन्न तहसीलों व ब्लाकों मे स्थित हॉस्पिटलों, नर्सिंग होमों, क्लीनिक साथ साथ सीएचसी व पीएचसी पर सीएमओ डाक्टर सुशील कुमार छापा मार रहे हैं इन जगहों पर जो भी कमियां मिल रही हैत्वरित कार्यवाही कर रहे हैं।लेकिन शहर में कई ऐसे नामी गिरामी अस्पताल, नर्सिंग होम,तथा क्लीनिक स्थित है जिस पर सीएमओ डॉ सुशील कुमार का ध्यान नहीं जा रहा है।यह वही बात हुई जैसे कि चिराग तले अंधेरा।देखा जाए कि शहर के अति व्यस्ततम इलाका नाका के आसपास स्थित कई प्रतिष्ठित अस्पताल जो कि मुख्य मार्ग पर स्थित है।यहां पर इलाज करने आने वाले मरीज व उनके तीमारदार दो पहिया वाहन व चार पहिया वाहन मार्ग पर ही खड़ा कर देते है। जिसके चलते इस मार्ग पर सुबह से लेकर देर रात तक जाम लगा रहता है।शहर के हैदरगंज, कसाबबाड़ा जनौरा, रिकाबगंज, नियावां,मछली मंडी,साहबगंज,बेनीगंज, कोरखाना,धनीराम का पुरवा सहित कई ऐसे मोहल्ले व कॉलोनिया है जहाँ पर हॉस्पिटल, नर्सिंग होम व क्लीनिक संचालित है।इनके संचालक वहाँ पर आने वाले मरीजों से चिकित्सा के नाम पर पैसे भी वसूल रहे हैं लेकिन सुविधा देखी जाए तो कुछ नही है।कहीं–कहीं तो ऐसे नर्सिंग होम, हास्पिटल व क्लीनिक है जहां पर एंबुलेंस तो छोड़िए कार तक के जाने की जगह नहीं है।सवाल यह उठता है कि अगर इन जगहों पर नर्सिंग होम क्लीनिक खुले हैं तो संबंधित विभाग द्वारा अनापत्ति प्रमाण पत्र कैसे मिल गया। वहीं कुछ ऐसे नर्सिंग होम,हॉस्पिटल व क्लीनिक इन गलियों में खुले हुए हैं जिनके पास संबंधि ात विभाग द्वारा अनापत्ति प्रमाण पत्र भी नहीं है।देखा जाए तो स्वास्थ्य विभाग उन्ही संचालक को नर्सिंग होम,क्लीनिक, अस्पताल खोलने की अनुमति देगा विकास प्राधिकरण के साथ–साथ अग्निशमन विभाग द्वारा अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करेगा। इस संबंध में सीएमओ डॉक्टर सुशील कुमार ने बताया शहर में जो भी अवैध रूप से हॉस्पिटल नर्सिंग होम क्लीनिक संचालित हो रहे हैं वह सोता है शीघ्र से शीघ्र बंद कर दे नहीं तो एक सप्ताह के अंदर शहर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा बड़ी कार्यवाही की जाएगी अगर इस दौरान कोई भी अवैध रूप से नर्सिंग होम क्लीनिक पाया गया तो उसके विरुद्ध कठोर से कठोर कार्यवाही की जाएगी।

'जनसुनवाई में मिल रहा शिकायतों के निस्तारण के साथ योजनाओं का लाभ'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' मंगलवार को कलेक्ट्रेट कक्ष में जन सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी अनुनय झा ने आमजन की समस्याओं को सुना। जन सुनवाई में कुल 70 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसके त्वरित निस्तारण के निर्देश सम्बन्धि ात को दिए। उन्होंने कहा कि शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित किया जाये। जन सुनवाई के दौरान एक व्यक्ति का राशन कार्ड बनाया गया, 03 बच्चों को बाल सेवायोजना से जोड़ा गया तथा 01 व्यक्ति को दिव्यांग पेंशन योजना से जोड़ा गया। 02 लोगों को वृद्वावस्था पेंशन योजना से जोड़ा गया तथा महिला को निराश्रित महिला पेंशन योजना से जोड़ा गया। जिलाधिकारी ने कहा कि हर पात्र व्यक्ति को सरकार द्वारा चलायी जा रही योजनाओं का लाभ दिलाया जाये। भूमि सम्बन्धी मामलों में उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग व पुलिस विभाग की टीम संयुक्त रूप से मौके पर जाकर आवश्यक कार्यवाही करे।

मोटोरोला ने फ्लिपकार्ट बिग बिलियन डेज पर अपनी फेस्टिव सेल शुरू की

नई दिल्ली। मोबाइल टेक्नोलॉजी में ग्लो बल लीडर और भारत के अग्रणी एआई स्मार्टफोन ब्रांड, मोटोरोला फ्लिपकार्ट की बिग बिलियन डेज सेल 2025 के दौरान बिगबिलियनमोटोरश के साथ अपना सबसे पावरफुल और स्टाफइलिश लाइन–अप लेकर आ रहा है। ये सभी स्मार्टफोन अविश्वसनीय दामों पर उपलब्ध होंगे। दुनिया के सबसे शानदार एआई–पावर्ड मोटोरोला एज 60 पीआरओ और मोटोरोला एज 60 फ्यूजन से लेकर बेस्टसेलिंग मोटो जी सीरीज स्मार्टफोन्स तक, और आइकॉनिक मोटोरोला रेजर 60 सीरीज तक, मोटोरोला इस सीजन में त्योहारी शॉपिंग को आनंददायक बनाने के लिए तैयार है। यह सेल फ्लिपकार्ट पर आज रात 12 बजे से लाइव हो गई है। सभी डिवाइसेस सेल की अवधि के दौरान आकर्षक बिग बिलियन डेज दामों पर उपलब्ध होंगे। इस बिग बिलियन डेज में मोटोरोला एज 60 प्रो 8 प्लस 256जीबी, जिसकी मूल कीमत 29,999 रुपये है, अब केवल 24,999' रुपये में उपलब्ध है, जो इसे एक शानदार फ्लैगशिप डील बनाता है। मोटोरोला एज 60 फ्यूजन बिग बिलियन डेज का सबसे शानदार ऑल–राउंडर स्मार्टफोन है, जो 20,000 रुपये से कम में उपलब्ध है। इसमें दुनिया का सबसे शानदार 1.5के ट्रू कलर क्वॉघ्ड–कर्व्ड डिस्प्ले है, जो पैनटोन वैलिडेटेड है, यह 4500निट्स पीक ब्राइटनेस, 96.3 प्रतिशत स्क्रीन–टू–बॉडी रेशियो, और गोरिल्ला ग्लाबस 7आई प्रोटेक्शन के साथ आता है। मोटो जी96 5जी, जिसे 15,000 रुपये से कम कीमत में पेश किया गया है, इस सेगमेंट का सबसे बेहतरीन ऑल–राउंडर स्मार्टफोन, है। यह जी सीरीज में सेगमेंट के पहले फीचर्स लाता है, जिसमें सेगमेंट का एकमात्र 144हर्ट्ज 6.67 इंच पोलेड कर्व्ड डिस्प्ले शामिल है। मिड–रेंज पावर और एंड्योरेंस को फिर से परिभाषित करते हुए, मोटो जी86 पावर उन लोगों के लिए बनाया गया है जो ब्राइट डिस्प्ले और लंबे समय तक चलने वाली बैटरी की तलाश में रहते हैं। इसमें सेगमेंट का सबसे चमकदार 6.67 इंच 1.5के पोलेड सुपर एचडी डिस्प्ले है, मोटोरोला रेजर 60 अपनी सेगमेंट में भारत का सबसे कूल और स्टाइलिश फ्लिप है और यह उन क्रिएटर्स के लिए बनाया गया है जो इनोवेशन, स्टाइल, और ड्यूरैबिलिटी की तलाश करते हैं। यह फ्लिप फोन पर दुनिया का पहला जेस्चर–कंट्रोल्ड वीडियो रिकॉर्डिंग पेश करता है, 8+256जीबी वैरिएंट की फेस्टिव बिग बिलियन डेज कीमत 39,999' रुपये (पहले 49,999 रुपये) है। इसमें 10,000 रुपये की सीधी छूट दी गई है।

राष्ट्र, धर्म, संस्कृति का पाठ अपने बच्चों कोअवश्य पढ़ाए : राकेश श्रीवास्तव

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर अंतरराष्ट्रीय हिन्दू परिषदध्राष्ट्रीय बजरंग दल के अध्यक्ष/ संस्थापक डॉ प्रवीण भाई तोगड़िया के नेतृत्व में संपूर्ण भारत में बच्चों को अपने राष्ट्र,धर्म संस्कृति,सनातनी आस्था,की ओर बच्चों को प्रोत्साहन देने के लिए कार्यक्रम आयोजित किया कराया गया है। जिसे हम और हमारे बच्चे गर्व से कहे कि बच्चे ही आगे थे, है,और रहेंगे। अंतरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद राष्ट्रीय बजरंग दल, राष्ट्रीय ओजस्विनी परिषद् एवं राष्ट्रीय महिला परिषद द्वारा माई फ्रेंड गणेश एवं किड्स अहेड का भव्य कार्यक्रम नगर के सावित्री कॉन्वेंट स्कूल,जौनपुर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कक्षा 1 से 3 तक के छात्र छात्राओं ने श्री गणेश जी विघ्नविनाशक, के आरेखन चित्र पर पेंसिल कलर से पेंटिंग करके अपनी प्रतिभा को दिखाया है। विभाग अध्यक्ष राकेश श्रीवास्तव अहिप ने कहा कि बच्चों में धर्म संस्कृति और संस्कार मां के चरण से मंदिर के चौखट के बीच जन्म लेता है। इसलिए अपने बच्चों को राष्ट्र धर्म संस्कृति सनातनी आस्था ईश्वर और अपने देश के महापुरुषों के बारे में बताना और पढ़ाना चाहिए।इसी क्रम में अजय पाण्डेय ने बताया कि बच्चों में विलक्षण प्रतिभा के साथ बच्चों में ऊर्जा बहुत होती है बस उन्हें तराशने की आवश्यकता होती है।श्री पाण्डेय ने कहा कि है भारत के वीर बालकों का एक इतिहास रहा है,जैसे ध्रुव, एकलव्य, भरत, लव और कुश, अभिमन्यु, शिवाजी, छत्रसाल और गुरु गोविंद सिंह के चार साहिबजादे। ये सभी वीरता, त्याग और समर्पण के प्रतीक हैं।जहां भारत वीरों का देश है तो वहीं यह कहा गलत नहीं होगा कि यह वीर बालकों का देश रहा है। इसी क्रम में जितेंद्र बहादुर सिंह जिला अध्यक्ष राष्ट्रीय बजरंग दल ने विभाग अध्यक्ष ने बालक बालिकाओं में प्रथम द्वितीय और तृतीय पुरस्कार के साथ ही सभी छात्र छात्राओं को प्रशस्ति पत्र दिया गया।

संक्षिप्त खबरें

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने एक लंबी उड़ान भरी है : नन्द गोपाल नंदी

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर ,23 ।ऑटोमेटिक ड्राइविंग ट्रेनिंग सेंटर के उद्घाटन कार्यक्रम में सोमवार रात बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि जीएसटी संशोधन प्रधानमंत्री जी का क्रांतिकारी कदम है।रोजमर्रा की वस्तुओं पर जीरो प्रतिशत टेक्स करके आम आदमी को बहुत बड़ा तोहफा दिया है।और बड़े सेक्टर में भी परिवहन में भी गाड़ियों पर भी टैक्स कम कर दिया है जिससे बहुत सारे लोगो ने नवरात्र में गाड़ियां बुक कराई है।मेन्युफेक्चरर गाड़ियां नही उपलब्ध करा पा रहे है।दीवाली का बहुत बड़ा तोहफा दिया है लोगो मे काफी उत्साह है।प्रध ाानमंत्री जी को ह्रदय से बधाई।विपक्ष पार्टी द्वारा वोट चोरी के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि विपक्ष लगातार हार रहा है। कांग्रेस 40 वर्षों से लगातार कांग्रेस हार रही है उसके पैरों तले से जमीन खिसक गई है समाजवादी पार्टी के मुखिया मुख्यमंत्री अखिलेश यादव खुद थे वह लगातार 14 में हारे 17 में हारे जब वो खुद मुख्यमंत्री थे जब यह हारते हैं तो इस तरह की बातें करते हैं जब वह मुख्यमंत्री थे तब वोट कौन चोरी कर रहा था जब वह इतनी बुरी तरीके से हारे और भाजपा ने प्रचंड बहुमत से जीत हासिल किया यह सब बातें अपने हार की टीस को मिटाने के लिए कर रहे हैं। ट्रेनिंग सेंटर के उद्घाटन कार्यक्रम में पहुंचे कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल नंदी ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन में व यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने एक लंबी उड़ान भरी है, लंबी चलांग लगाइ है।उत्तर प्रदेश को पहले बीमारू राज्य कहा जाता था, उत्तर प्रदेश को लोग उल्टा प्रदेश कहते थे, आज वही उत्तर प्रदेश और उसके समर्थ को मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में नई सरकार ने उभरने का काम किया है। परिवहन मंत्रालय ने एक बड़ा कदम उठाते हुए ऑटोमेटिक ड्राइविंग ट्रेनिंग सेंटर का आज लोकार्पण किया है।यह लोगों की सेवा में समर्पित हुआ है और और जो बस अड्डे थे उनको भी ट्रिपल पी मोड पर फाइव स्टार जैसी फैसिलिटी परिवहन विभाग ने दिया है,यह बहुत अच्छा काम किया है ।

'फरियादियों की शिकायतों का निस्तारण गुणवत्ता पूर्ण एवं निष्पक्ष किया जाये– अनुनय झा'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' मंगलवार को जिलाधिकारी अनुनय झा एवं मुख्य विकास अधि ाकारी सान्या छाबड़ा द्वारा स्थाई गौ आश्रय स्थल ब्लाक परिसर टड़ियावाँ एवं विकास खण्ड कार्यालय का निरीक्षण किया गया। गौ आश्रय स्थल निरीक्षण में भूसा हरा चारा की स्थिति संतोषजनक पाई गयी। पशुचिकित्साधिकारी टड़ियावाँ ने बताया कि गौशाला परिसर में एक ओर गहराई होने के कारण जल भराव हो जाता है। इस पर जिलाधिकारी ने कच्ची नाली खुदवा कर जल निकासी कराने, गौवंश को गर्मी से बचाव हेतु पशु शेड में पंखे लगवाने के साथ ही शेड में प्रकाश व्यवस्था हेतु लाइट का प्रबंध, सीसी टीवी कैमरे लगवाने, गौ आश्रय स्थल में वृक्षारोपण कराने तथा गौ आश्रय स्थल टड़ियावाँ में पानी की हौज तक खड़ंजा लगवाने के निर्देश भी डीएम ने खण्ड विकास अधिकारी को दिये। इसके उपरान्त जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी ने विकास खण्ड कार्यालय टड़ियावाँ का निरीक्षण किया जिसमें कार्यालय की स्थिति संतोषजनक पायी गयी। उन्होंने आइजीआरएस शिकायत रजिस्टर में निस्तारण की स्थिति एवं आख्या के सम्बन्ध में निर्देश दिये।

जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती तथा विधायक प्रभास कुमार ने सफेद कबूतर उड़ाकर शांति मार्च को रवाना किया

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना) एक ऐतिहासिक शांति मार्च हरदोई नगर की प्रमुख मार्गो पर निकाला गया। इस मार्च को शहीद उद्यान कंपनी बाग से विधायक प्रभास कुमार तथा जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती पीके वर्मा ने हरी झंडी दिखाकर तथा विधायक प्रभास कुमार ने सफेद कबूतर उड़ाकर शांति मार्च को रवाना किया इससे पहले अतिथियों को साल उढाकर तथा स्मृति भेंट कर सम्मान किया गया का शांति मार्च में शामिल हजारों की संख्या में लोग महिला और पुरुष अलग–अलग कतारवदृ होकर शांतिपूर्ण ढंग से सड़क के किनारे चल रहे थे शांति और सद्भाव की मिसाल कायम करने वाला यह शांति मार्च विश्व शांति दूत एवं विश्व शांति शिक्षा कार्यक्रम के संस्थापक आध्यात्मिक मोटिवेशनल स्पीकर प्रेम रावत जी के अनुयायियों के द्वारा बड़े ही अनुशासित तरीके से निकल गया इस शांति मार्च की लोगों के बीच काफी चर्चा रही शांति मार्च में लोग हाथों में तख्ती और बैनर लिए हुए थे जिस पर शांति और आध्यात्मिक स्लोगन और दोहे लिखे हुए थे उदाहरण के तौर पर ष्घट घट मोरा साइयां सूनी सेज न कोई, बलिहारी वह घट की जा घट प्रगट होई ष दिल को छूने और मन को झंझकोर देने वाले संतो के वाक्य लिखे हुए बैनर और तख्तियां को लेकर मातृशक्ति चल रही थी। शांति मार्च डीएम चौराहा होते हुए नुमाइश चौराहा पर पहुंचा इस दौरान शांति के समर्थक जितेंद्र गुप्ता पंकज गुप्ता आदि लोगों द्वारा शांति मार्च पर फूलों से वर्षा की गई वहीं नुमाइश चौराहा पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रेमावती और उनके पति पीके वर्मा ने पानी की बोतले शांति मार्च में चल रहे प्रेम रावत जी के अनुयायियों को दी पूर्व सभासद राजीव गुप्ता ने अपने समर्थकों के साथ शांति मार्च पर पुष्प वर्षा की। नुमाइश चौराहा और बड़ा चौराहा के बीच समाजसेवी महेश गुप्ता डब्लू ने बड़े चौराहा पर अधिवक्ता परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवसेवक गुप्ता, सुरनाथ अवस्थी एवं राजीव गुप्ता ने पुष्प वर्षा की सिनेमा रोड पर राजेश गुप्ता ने अपनी दुकान के सामने मशीन के द्वारा लोगों पर फूलों की वर्षा की इसी तरह सिनेमा चौराहा पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक से जुड़े हिमांशु गुप्ता रामशरण गुप्ता गुड्डू पान भंडार आदि ने अपने साथियों के साथ शांति मार्च पर पुष्प वर्षा की इसी तरह लखनऊ रोड पर अभिनंदन राधेश्याम गुप्ता करण कृष्णा और बीके ने फूल बरसाए आवास विकास मोड पर प्रधान महेश गुप्ता ने अपने साथियों के साथ पुष्प वर्षा की लखनऊ चुंगी पर अमित गुप्ता भगवान शरण गुप्ता गुड्डू गुप्ता आदि ने मशीन के द्वारा फूलों की वर्षा की। शांति मार्च के समापन पर विश्व शांति दूध एवं विश्व शांति शिक्षा कार्यक्रम के संस्थापक प्रेम रावत जी का वीडियो कार्यक्रम के माध्यम से शांति का संदेश सुनाया गया यहां पर पहुंचे भाजपा के जिला अध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन और पूर्व जिला अध्यक्ष एवं पूर्व ब्लाक प्रमुख रामकिशोर गुप्ता गुड्डू ने दीप प्रज्वलंकर तथा सफेद कबूतर उड़कर कार्यक्रम शुरुआत की इस दौरान उन्होंने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने वाले नन्हे मुन्ने बच्चों का मेडल पहरा कर उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के आयोजकों ने अतिथियों का शाल उड़ाकर तथा स्वास और स्वयं की आवाज पुस्तक भेंट कर स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रेम रावत जी के जुम्मेवार अनुयायियों को भी महाराज जी की वेबसाइट लिखी हुई है स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया लस्सी और भोजन व्यवस्था का निर्वहन स्वामी दयाल और उनकी टीम के द्वारा बड़ी ही लगन से संपन्न कराया गया सुरक्षा की बागडोर सुशील श्रीवास्तव और बृजराज कुशवाहा ने बेहतर ढंग से निभाई कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मनोज गुप्ता अरिन्द्र कुशवाहा दीप कुमार सोनी और पीके गुप्ता सहित सैकड़ो स्वयंसेवकों ने बेहतरीन भूमिका का निर्वहन किया कार्यक्रम का संचालन अस्मिता गुप्ता ने किया। शांति मार्च में सबसे आगे चल रहे रफी अहमद किदवाई इंटर कॉलेज के बच्चों द्वारा स्काउट बैंड की प्रस्तुति बेहद लुभावनी एवं आकर्षक रही स्काउट बैंड शांति मार्च को लीड कर रहा था कंपनी बाग में पूर्व पुलिस उपाधीक्षक चंद्रशेखर गुप्ता ने स्काउट बैंड के बच्चों को मेडल पहनाकर उत्साह वर्धन किया।

सिविल डिफेंस के नवनियुक्त डिप्टी डिविजनल वार्डेन रामगोपाल सिंह का किया भव्य स्वागत

लखनऊ प्रत्यूष पाण्डेय। नि : स्वार्थ सेवा भाव से निरंतर सामाजिक कार्यों एवं सिविल डिफेंस में अपनी सेवाएं प्रदान करने वाले नागरिक सुरक्षा प्रखाण्ड राजाजीपुरम के नवनियुक्त डिप्टी डिविजनल वार्डेन रामगोपाल सिंह को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। सिविल डिफेंस के सेक्टर वार्डेन मुकेश कुमार निगम, मयंक कुमार श्रीवास्तव, डॉ. सत्य प्रकाश शर्मा, अभिनव खंडेलवाल, सोनम सिंह, विनय कुमार, जितेन्द्र अरोड़ा, शुभम् श्रीवास्तव, अमान खान, अमोघ लहरी, अमित वर्मा, रजत राजपूत, मीतू सिंह आदि ने शुभकामनाएं प्रेषित किया और नियंत्रक एवं जिलाधिकारी विशाख जी, चीफ वार्डेन अमरनाथ मिश्रा, उपनियंत्रक रविन्द्र कुमार, डिप्टी चीफ वार्डेन गुरप्रीत सिंह सेठी, स्टॉफ ऑफिसर ऋतुराज रस्तोगी, वरिष्ठ सहायक उपनियंत्रक मनोज वर्मा, एडीसी मुकेश कुमार का आभार व्यक्त किया।

जीएसटी को आम जनता एवं व्यापारियों दोनों के लिए सरल एवं पारदर्शी बनाने की कोशिश की गयी : गिरीश चंद्र यादव

जौनपुर। खेल, युवा कल्याण राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार गिरीश चन्द्र यादव ने मंगलवार को नगर के एक होटल में नेक्स्ट जेनरेशन जी एस टी रिफार्म 2.0 के तहत सुधार पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गत 15 अगस्त 2025 को दिल्ली के लाल किले से 79 वें स्वतंत्रता दिवस पर अनेकों घोषणायें कीं, उसमें देश के आर्थिक दृष्टिकोण से सबसे महत्वपूर्ण घोषणा जीएसटी में बड़े बदलाव को लेकर की गयी। उन्होंने कहा कि जीएसटी में सुधार से प्रधानमंत्री ने दीवाली का तोहफा बताया, जो कर दाताओं और व्यवसाइघ्यों के लिए अनुपालन को सरल बनायेगा और आवश्यक वस्तुओं की कीमतें घटायेगा। जीएसटी परिषद की 56 वीं बैठक दिनांक 03 सितम्बर 2025 में कई ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए देश के सामने जीएसटी दरों का एक नया प्रारूप पेश किया, जिससे जीएसटी को आम जनता एवं व्यापारियों दोनों के लिए सरल एवं पारदर्शी बनाने की कोशिश की गयी। जीएसटी कर प्रणाली दिनांक 01 जुलाई 2017 से लागू हुयी, जिसमें वस्तु एवं सेवाओं पर मुख्यतः 04 प्रकार की कर दरों क्रमशः 05, 12, 18 एवं 28 प्रतिशत की कर दरों को लागू किया गया। समय के साथ–साथ जीएसटी में थोडे बहुत बदलाव होते रहें है। परन्तु जीएसटी कर सुधार 2.0 के तहत व्यापक पैमाने पर जीएसटी दरों में सुधार किया गया है, जिसके तहतः प्रमुखतः 02 प्रकार की कर की दरें 05 एवं 18 प्रतिशत निर्धारित की गयीं। इसके अतिरिक्त एक तीसरी दर लग्जरी वस्तओं (महगी गाड़ियों आदि) पर तथा तम्बाकू उत्पादों पर 40 प्रतिशत निर्धारित की गयी। 2.0 के अन्तर्गत निम्न प्रकार से कर सुधार किये गये। आवश्यक वस्तुओं के लिये कर राहतः आवश्यक वस्तुओं को राहत देते हुए व्यक्तिगत जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा पर पूरा जीएसटी हटा दिया गया। अल्ट्रा–हाई टेम्परेचर दूध, पनीर और भारतीय ब्रेड पर अब कोई जीएसटी नहीं है। उपभोक्ता वस्तुएँ: छोटी कारों, टीवी, एयर कंडीशनर, सीमेंट और ऑटो पार्ट्स पर कर 28% से घटाकर 18% किया गया है। अक्षय ऊर्जा उपकरणों पर कर 12% से घटाकर 5% कर दिया गया है। इन कटौतियों से विनिर्माण को बढ़ावा मिलने, हरित ऊर्जा के अंगीकरण को बढ़ावा मिलने और घरेलू मांग में वृद्धि होने की उम्मीद है तथा प्रथमिक क्षेत्र के उत्पादों को बढ़ावा मिलेगा। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य उपकरणः 33 जीवनरक्षक दवाओं पर जीएसटी 12ः से घटाकर शून्य कर दिया गया है। कैंसर और दुर्लभ रोगों में प्रयोग होने वाली तीन महत्त्वपूर्ण दवाओं पर जीएसटी 5% से घटाकर शून्य कर दिया गया है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक **देश की उपासना**

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।